हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - CTHIN/25/A0716

मूक पत्रिका

निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र आवाज...

वर्ष - 03 अंक - 10 बेमेतरा, रविवार 23 अगस्त 2026 रायपुर एवं बेमेतरा से प्रकाशित कुल पेज - 08 मूल्य - 1 रूपये डाक पंजीयन- दुर्ग/1743290201/2025-27

समाचार सार

30 अगस्त को नीट-पीजी परीक्षा 2026 आयोजित

रायपुर। राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड द्वारा आयोजित नीट-पीजी परीक्षा 2026 का आयोजन 30 अगस्त को किया जाएगा। परीक्षा सुबह 9 बजे से दोपहर 12.30 बजे तक संचालित होगी। परीक्षा के सुचारू संचालन हेतु डिप्टी कलेक्टर रायपुर उपेन्द्र किण्डो एवं पुलिस विभाग से सहायक पुलिस आयुक्त सुश्री नंदनी ठाकुर को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है।

पाम तेल के कीमतों में 14 फीसदी से अधिक उछाल

नई दिल्ली। दुनिया के सबसे ज्यादा इस्तेमाल होने वाले खाद्य तेलों में शामिल पाम ऑयल की कीमतों में तेज उछाल ने भारत की चिंता बढ़ा दी है। सबसे बड़े उत्पादक इंडोनेशिया की बायोडीजल नीति और दक्षिण-पूर्व एशिया में सूखे मौसम व उत्पादन को लेकर बढ़ती आशंकाओं के चलते अंतरराष्ट्रीय बाजार में पाम तेल की कीमतें करीब 20 महीनों के उच्च स्तर पर पहुंच गई हैं। इससे वैश्विक बाजार में तेजी का माहौल बन गया है। इसका सबसे बड़ा असर भारत जैसे आयात-निर्भर देशों पर पड़ सकता है।

प्याज एक हफ्ते में 11 प्रतिशत महंगा

नई दिल्ली। दक्षिण भारत से खरीफ फसल की आवक में देरी के बीच प्याज की सबसे बड़ी मंडी लासलगांव (महाराष्ट्र) में प्याज की थोक कीमतें उछलकर 35 रुपये प्रति किलो पर पहुंच गईं। व्यापारियों का कहना है कि देर से बुआई के कारण दक्षिण भारत से खरीफ प्याज की फसल की आवक में देरी होने से कीमतों पर दबाव बना हुआ है। राहत की बात यह है कि जल्द ही कीमतें जल्द नीचे आ सकती हैं।

भारत के निजी ऋण कोषों में एआई का जलवा

नई दिल्ली। भारत के निजी डेट फंड सौदों की पहचान, डेटा विश्लेषण और ऋण मूल्यांकन के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) को तेजी से अपना रहे हैं। ईवाई की एक रिपोर्ट के अनुसार, अधिकांश खिलाड़ी चुनिंदा रूप से इस तकनीक का उपयोग कर रहे हैं। वहीं, एक छोटा समूह इसे अपनी निवेश प्रक्रियाओं में गहराई से एकीकृत कर रहा है। ईवाई की प्राइवेट क्रेडिट पल्स सर्वे रिपोर्ट, जो वर्ष 2026 की पहली छमाही के अपडेट का हिस्सा है, में यह जानकारी सामने आई है। सर्वेक्षण में शामिल 67 फीसदी उत्तरदाता डेटा विश्लेषण और निगरानी के लिए मध्यम रूप से एआई का उपयोग करते हैं। जबकि 11 फीसदी ने बताया कि एआई उपकरण उनकी उत्पत्ति और ऋण विश्लेषण प्रक्रियाओं का मुख्य हिस्सा बन चुके हैं। अन्य 22 फीसदी अभी शुरुआती चरण में हैं और एआई उपकरणों का परीक्षण कर रहे हैं। यह निष्कर्ष निजी ऋण कोषों द्वारा संभावित सौदों का आकलन करने और उधारकर्ताओं की निगरानी के तरीके में क्रमिक बदलाव का संकेत देते हैं।

कृषि विश्वविद्यालय के पेपर लीक मामले में बड़ा खुलासा

आईजीकेवी पेपरलीक का मास्टर माईंड निकला भारती कॉलेज का प्रोफेसर

पुलिस ने प्रोफेसर समेत 6 आरोपियों को किया गिरफ्तार

मूक पत्रिक

रायपुर। रायपुर के इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय में बीएससी एग्रीकल्चर द्वितीय वर्ष के एंटोमोलॉजी विषय के पेपर लीक मामले में बड़ा खुलासा हुआ है. भारती एग्रीकल्चर कॉलेज, दुर्ग के प्रोफेसर योगेश सोनकेसरिया समेत 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है. पुलिस की जांच में पेपर लीक मामले में इनकी संलिप्तता पाई गई है.

परीक्षा से दो घंटे पहले हुआ था पेपर वायरल– दरअसल, 20 अगस्त 2026 को सुबह 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक विश्वविद्यालय से संबद्ध सभी 28 कृषि महाविद्यालयों में B.Sc. कृषि द्वितीय वर्ष, द्वितीय सेमेस्टर के AGCH-221 (कीटशास्त्र) विषय की परीक्षा होनी थी. परीक्षा शुरू होने से करीब दो घंटे पहले सुबह 8:41 बजे कवर्धा कृषि महाविद्यालय के ई-मेल पर प्रश्नपत्र लीक होने की सूचना मिली. इसके बाद करीब 8:54 बजे संबंधित अधिकारियों को भी इसकी जानकारी दी गई.

छात्रों और छात्र प्रतिनिधियों ने भी WhatsApp के जरिए प्रश्नपत्र के कुछ प्रश्नों के कंटेंट वायरल होने की सूचना विश्वविद्यालय को दी. जांच में प्रश्नपत्र के सोशल मीडिया के जरिए प्रसारित होने की पुष्टि हुई. इसके बाद विश्वविद्यालय के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं स्नातक परीक्षा प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ. एन.आर. रंगारे की शिकायत पर तेलीबांधा थाने में अपराध दर्ज किया गया.

प्रोफेसर ने लिफाफे में छेद कर बनाया पेपर का वीडियो– पुलिस के अनुसार, इस पूरे मामले का मुख्य आरोपी योगेश सोनकेसरिया है, जो वर्ष 2019 से भारती एग्रीकल्चर कॉलेज, दुर्ग में प्रोफेसर के पद पर कार्यरत है. पिछले करीब एक साल से वह अपने कॉलेज की उत्तर पुस्तिकाएं जमा करने और आगामी परीक्षाओं के प्रश्नपत्र प्राप्त कर उन्हें कॉलेज ले जाने का काम कर रहा था. 17 अगस्त को वह उत्तर पुस्तिकाएं जमा करने के लिए जोरा स्थित कृषि महाविद्यालय, रायपुर पहुंचा था. वहां से उसने आगामी परीक्षाओं के प्रश्नपत्र प्राप्त किए और सभी प्रश्नपत्रों के लिफाफे कॉलेज ले गया. हालांकि 20 अगस्त को होने वाले ,तष्ट॥-221 के प्रश्नपत्र वाला लिफाफा वह अपने घर ले गया.

11 हजार रुपये में छात्रों को बेचा प्रश्नपत्र

पुलिस के अनुसार, योगेश सोनकेसरिया ने प्रश्नपत्र की सामग्री अपने कॉलेज में पढ़ने वाले छात्र अजय नायक और दो अन्य छात्रों को कुल 11 हजार रुपये में बेच दी. इसके बाद अजय नायक ने प्रश्नपत्र त्रिदेव पटेल, नितिन पाण्डेय, अनुज मिंज और आदित्य साहू तक पहुंचाया. इसी नेटवर्क के जरिए परीक्षा से पहले प्रश्नपत्र सोशल मीडिया पर वायरल हो गया.

> कृषि विश्वविद्यालय में पेपर लीक मामले में पुलिस ने अब तक 6 लोगों को गिरफ्तार किया है। मामले को लेकर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि प्रकरण की जांच जारी है और इसमें जो भी लोग संलिप्त पाए जाएंगे, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।
>
> मुख्यमंत्री साय

दुर्ग के अनुज मिंज से खुली पेपर लीक की कड़ी

जांच के दौरान पुलिस को दुर्ग निवासी अनुज मिंज के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी मिली. टीम ने दुर्ग पहुंचकर उसे पकड़ा और पूछताछ शुरू की. इसके बाद कबीरधाम, रायपुर, दुर्ग, बिलासपुर और आसपास के जिलों में अलग-अलग टीमें भेजी गईं. पुलिस के मुताबिक, करीब 36 घंटे की लगातार जांच के बाद पेपर लीक के स्रोत और आरोपियों की पहचान कर ली गई.

गिरफ्तार आरोपियों के नाम

मामले में पुलिस ने कुल 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया है. इनमें मुख्य आरोपी योगेश सोनकेसरिया (38) निवासी सिवनी (मध्यप्रदेश), अजय नायक (20) निवासी बलौदाबाजार, त्रिदेव पटेल (22) निवासी महासमुंद, नितिन पाण्डेय (22) निवासी बस्तर, अनुज मिंज (22) निवासी जशपुर और आदित्य साहू (20) निवासी बालोद शामिल हैं.

पुलिस के मुताबिक, आरोपी ने घर पर लिफाफे के साथ छेड़छाड़ की. उसने सुई और नुकीले उपकरण की मदद से लिफाफे में छोटा सा छेद किया और मोबाइल कैमरा अंदर डालकर प्रश्नपत्र की वीडियो रिकॉर्डिंग कर ली. इसके बाद प्रश्नपत्र की सामग्री की नकल तैयार की गई.

6 आरोपी गिरफ्तार, 2 अभी फरार– पुलिस ने मामले में कुल 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

आपदा प्रबंधन मंत्री टंक राम का ऐलान

अकाल मौतों का कारण बन रहा 'ब्लू वाटर' होगा प्रतिबंध

मूक पत्रिक

रायपुर। नवा रायपुर के ब्लू वाटर खदान में हो रही मौतों पर संज्ञान लेते हुए आखिरकार सरकार फैसला लेती नजर आ रही है. आपदा प्रबंधन मंत्री टंक राम वर्मा ने बताया कि ब्लू वाटर खदान को प्रतिबंधित किया जाएगा. खदानों के चारों ओर फेंसिंग की जाएगी. इसके लिए बाहर से आई टीम लगातार काम कर रही है.

मंत्री टंक राम वर्मा ने मीडिया से चर्चा में इंदिरा कृषि विश्वविद्यालय में पेपर लिक में हुई गिरफ्तारी पर कहा कि जो भी दोषी है, उसे छोड़ा नहीं जाएगा. युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ नहीं होने देंगे. सरकार साफ-सुथरी परीक्षा प्रणाली चाहती है.

वहीं छत्तीसगढ़ के मंत्रियों, सांसदों और विधायकों के युवाओं से संवाद को लेकर मंत्री ने कहा कि युवाओं की ऊर्जा को सही दिशा में ले जाना है. युवाओं की बातों को सभी को सुनना चाहिए. युवाओं की बात नहीं सुनेंगे तो समस्याओं का हल कैसे करेंगे. वहीं रायपुर एम्स के दीक्षांत समारोह के आमंत्रण पत्र में स्थानीय सांसद, विधायक और महापौर का नाम नहीं होने के सवाल पर उच्च शिक्षा मंत्री ने कहा कि दीक्षांत समारोह के कार्यक्रम की जानकारी नहीं है. जो भी कार्यक्रम बनाता है, उसमें प्रोटोकॉल का ध्यान रखा जाता है.

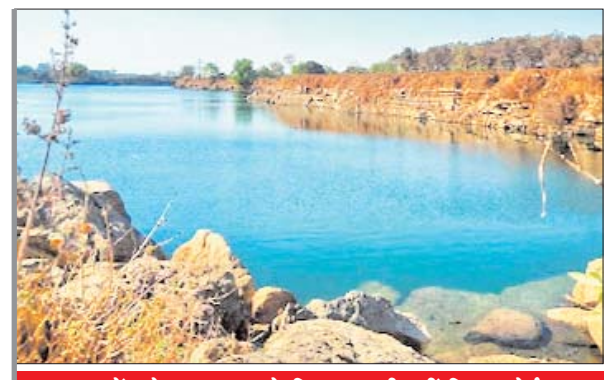

ब्लू वाटर में डूबे युवक का दो दिन बाद भी नहीं मिला कोई सुराग

कांग्रेस नेताओं ने कलेक्टर से की पार्क बंद करने और सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाने की मांग

घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। वहीं कांग्रेस नेताओं ने कलेक्टर से मुलाकात कर शव को जल्द बरामद कराने और ब्लू वाटर क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाने के साथ ही लोगों की एंट्री पर रोक लगाने की मांग की है। शहरऔर स्थानीय मार्गदर्शिका

कलेक्टर से मिले कांग्रेस नेता–युवक का शव जल्द बरामद कराने की मांग को लेकर रायपुर पश्चिम के पूर्व विधायक विकास उपाध्याय, रायपुर नगर निगम के नेता प्रतिपक्ष आकाश तिवारी, मौदहापारा क्षेत्र के पार्षद शेख मुशीर और जिला कांग्रेस कमेटी रायपुर ग्रामीण के उपाध्यक्ष जयंत साहू ने कलेक्टर गौरव सिंह से मुलाकात की। कांग्रेस नेताओं ने कलेक्टर से ब्लू वाटर में जल्द से जल्द सर्च ऑपरेशन तेज कर युवक का शव बरामद कराने की मांग की।

ब्लू वाटर पार्क बंद करने की मांग– पूर्व विधायक विकास उपाध्याय ने ब्लू वाटर पार्क को चारों तरफ से बंद करने की मांग की। वहीं नगर निगम के नेता प्रतिपक्ष आकाश तिवारी ने ब्लू वाटर के चारों ओर सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने और लोगों की आवाजाही पर रोक लगाने की मांग की।

आकाश तिवारी ने मौके पर पहुंचकर मृतक के परिजनों से मुलाकात की और घटना पर दुख जताते हुए उन्हें ढांढस बंधाया। पार्षद शेख मुशीर ने सर्च ऑपरेशन के लिए आधुनिक उपकरणों सहित पर्याप्त व्यवस्था उपलब्ध कराने की मांग की। जिला कांग्रेस कमेटी रायपुर ग्रामीण के उपाध्यक्ष जयंत साहू ने भी ब्लू वाटर क्षेत्र में लोगों की एंट्री पूरी तरह बंद करने की मांग की।

पिकअप और ट्रक के बीच भिड़ंत, 3 मजदूरों की मौत, 7 की हालत गंभीर

मूक पत्रिक

बलरामपुर। छत्तीसगढ़ के बलरामपुर में भीषण सड़क हादसा हुआ है, जहां शुक्रवार देर रात पिकअप और ट्रक के बीच जोरदार टक्कर हो गई।

इस हादसे में 3 मजदूरों की मौके पर ही मौत हो गई और 7 मजदूरों की हालत गंभीर बताई जा रही है।

सभी घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यह हादसा राजपुर थाना क्षेत्र में हुआ है। बताया जा रहा है कि नरोला गांव के 10 मजदूर पिकअप में सवार होकर टमाटर की खेती के लिए शंकरगढ़ जा रहे थे। शुक्रवार रात 2 बजे के आसपास सेवारी के पास मुख्य मार्ग पर पिकअप और ट्रक की आमने सामने टक्कर हो गई। घटना इतना जबरदस्त था कि 3 मजदूरों की मौके पर ही मौत हो गई और 7 मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गए।

सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया, जहां से 7 लोगों को गंभीर हालत में अंबिकापुर रेफर किया गया। फिलहाल पुलिस आगे की कार्रवाई में जुट गई है।

3 साल के मासूम को स्कूल बस ने रौंदा, मौके पर हुई मौत, मचा हड़कंप

बेमेतरा छत्तीसगढ़ के बेमेतरा जिले से दर्दनाक सड़क हादसे की खबर सामने आई है, जहां एक स्कूल बस ने 3 साल के मासूम बच्चे को रौंद दिया। इस घटना में उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद चालक और कंडक्टर बस छोड़कर फरार हो गए। पुलिस ने भी मामले की जांच शुरु कर दी है। यह हादसा खंडसरा चौकी क्षेत्र में हुआ है। बताया जा रहा है कि DAV स्कूल जांता की बस ने आज बंसापुर-सेमरिया गांव के पास मासूम को अपनी चपेट में लिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद चालक और कंडक्टर बस छोड़कर फरार हो गए। हादसे की सूचना मिलते ही मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई।

चालक और कंडक्टर की तलाश में जुटी पुलिस- इधर, मासूम की मौत से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। हादसे की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची खंडसरा चौकी पुलिस ने घटनास्थल का जायजा लेकर हादसे के कारणों की पड़ताल शुरू कर दी है। साथ ही फरार बस चालक और कंडक्टर की तलाश की जा रही है।

व्यापार-उद्योग के क्षेत्र में निवेश की बड़ी संभावनाएं : साय

मूक पत्रिक

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय दो दिवसीय दिल्ली प्रवास के बाद शनिवार को रायपुर लौट आए।

अपने दौरे के दौरान उन्होंने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा समेत कई केंद्रीय मंत्रियों से मुलाकात की और छत्तीसगढ़ के विकास से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा की। मुख्यमंत्री ने बताया कि दिल्ली प्रवास के दौरान उन्हें इकोनॉमिक टाइम्स वर्ल्ड लीडर्स फोरम के आयोजन में शामिल होने का अवसर मिला। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में व्यापार और उद्योग के क्षेत्र में निवेश की बड़ी संभावनाएं हैं। प्रदेश में 800 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश आया है और आने वाले समय में निवेश के नए अवसर तैयार किए जा रहे हैं। सीएम साय ने दिल्ली में बिहार के मुख्यमंत्री से भी मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने उन्हें छत्तीसगढ़ आने का न्योता दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी मंत्रियों को छत्तीसगढ़ आने का निमंत्रण दिया गया है और वे बहुत जल्द प्रदेश का दौरा करेंगे।

यूपी में चीनी की कमी नहीं: जमाखोरी की तो खैर नहीं

सभी जिलों में डीएम गोदामों का कराएं सत्यापन : मुख्यमंत्री योगी

लखनऊ (ए)। उत्तर प्रदेश में चीनी की उपलब्धता को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को समीक्षा की। उन्होंने प्रदेशवासियों को आश्वस्त किया कि राज्य में चीनी की पर्याप्त उपलब्धता है और आमजन को परेशान होने की जरूरत नहीं है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि चीनी की कालाबाजारी करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। जरूरत पड़ने पर चीनी मिलों का संचालन 15 अक्टूबर से शुरू करने के भी निर्देश दिए। समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री को बताया गया कि प्रदेश की चीनी मिलों में कुल 179.38 लाख कुंतल चीनी उपलब्ध है।

इसमें सहकारी चीनी मिलों में 23.60 लाख कुंतल, निगम की चीनी मिलों में 5.28 लाख कुंतल और निजी चीनी मिलों में 150.50 लाख कुंतल चीनी का भंडार है।

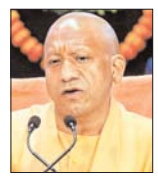

जून और जुलाई में चीनी मिलों ने 235 लाख कुंतल चीनी की बिक्री की। इसमें से अधिकांश चीनी अभी भी खुले बाजार में उपलब्ध है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आवश्यकता के अनुसार 15 अक्टूबर से चीनी मिलों को संचालित किया जाए, ताकि बाजार में आपूर्ति प्रभावित न हो। मुख्यमंत्री ने आमजन से अपील की कि चीनी की कमी की अफवाह फैलाने वालों से सावधान रहें। उन्होंने अधिकारियों को चीनी की कालाबाजारी करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए। भारत सरकार के निर्देशों का हवाला देते हुए बताया गया कि कोई भी डीलर 30 दिन से अधिक का चीनी स्टॉक नहीं रख सकेगा।

जज भगवान नहीं, हर फैसला सही नहीं हो सकता

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट के सेवानिवृत्त हो रहे न्यायमूर्ति संजय करोल ने शनिवार को अपने विदाई संबोधन में कहा कि न्यायाधीश भगवान नहीं होते और उनसे हर फैसला पूरी तरह सही होने की उम्मीद नहीं की जा सकती। उन्होंने कहा कि न्याय करने के लिए विनम्रता जरूरी है और न्यायाधीशों को हर मुकदमे में केवल याचिकाकर्ता नहीं, बल्कि उसके पीछे खड़े इंसान को भी देखना चाहिए। न्यायमूर्ति करोल ने कहा कि संविधान न्यायाधीशों से केवल कानून को सही तरीके से लागू करने की अपेक्षा नहीं करता, बल्कि न्यायपूर्ण तरीके से लागू करने की भी मांग करता है।

भारत-रूस संबंध: जयशंकर का दो दिवसीय मॉस्को दौरा, रूसी समकक्ष लावरोव करेंगे मुलाकात

क्षेत्रीय तथा वैश्विक मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान करेंगे

नई दिल्ली (ए)। विदेश मंत्री एस जयशंकर 23 और 24 अगस्त को रूस के आधिकारिक दौरे पर होंगे। इस दौरान आईआरआईजीसी-टीईसी के 27वें सत्र की सह-अध्यक्षता करेंगे और अपने रूसी समकक्ष सर्गेई लावरोव के साथ मुलाकात भी प्रस्तावित है।

विदेश मंत्रालय (एमईए) ने शनिवार को एक बयान जारी कर इसकी जानकारी दी। इसके अनुसार, विदेश मंत्री 23-24 अगस्त को रूसी संघ के प्रथम उप-प्रधानमंत्री डेनिस मंतुरोव के निमंत्रण पर रूस की आधिकारिक यात्रा करेंगे। वे व्यापार, आर्थिक,

वैज्ञानिक, तकनीकी और सांस्कृतिक सहयोग पर भारत-रूस अंतर-सरकारी आयोग (आईआरआईजीसी-टीईसी) के 27वें सत्र की सह-अध्यक्षता करेंगे। बयान में कहा गया है कि इस यात्रा के दौरान, जयशंकर रूसी संघ के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव से भी मिलेंगे और क्षेत्रीय तथा वैश्विक मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान करेंगे। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने जुलाई 2026 में फिलीपींस की राजधानी मनीला में आसियान बैठकों के दौरान रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव से मुलाकात की थी।

बैठक का विवरण साझा करते हुए जयशंकर ने एक्स पोस्ट में कहा, रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव के साथ हमारे द्विपक्षीय संबंधों की गहन समीक्षा की गई। क्षेत्र में भारतीय नाविकों की सुरक्षा के संबंध में हमने अपनी गहरी चिंता दोहराई।

किन मुद्दों पर होगी चर्चा?

चर्चा में भारत-रूस साझेदारी के विभिन्न पहलुओं को शामिल किया गया, जिनमें व्यापार और निवेश, ऊर्जा और कनेक्टिविटी, विज्ञान और प्रौद्योगिकी और गतिशीलता शामिल हैं।

जयशंकर ने आगे कहा, हमने व्यापार और निवेश, ऊर्जा और कनेक्टिविटी, विज्ञान और प्रौद्योगिकी तथा गतिशीलता सहित हमारी साझेदारी के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की। साथ ही यूक्रेन संघर्ष और खाड़ी देशों की स्थिति पर भी चर्चा की।

आईआरआईजीसी के तहत हो चुकी हैं 26 बैठकें

आईआरआईजीसी का पहला सत्र 13 और 14 सितंबर 1994 को हुआ था। अब तक आईआरआईजीसी की 26 बैठकें हो चुकी हैं। आईआरआईजीसी का 26वां सत्र 20 अगस्त 2025 को मास्को में हुआ था। वहीं 25वां नई दिल्ली में आयोजित किया गया था। यह भारत और रूस के बीच द्विपक्षीय आर्थिक सहयोग और संबंधों की समीक्षा करने वाला एक प्रमुख शीर्ष मंच है। इस आयोग की बैठकों की सह-अध्यक्षता भारत के विदेश मंत्री और रूसी संघ के उप प्रधानमंत्री करते हैं।

दुनिया ने माना कि हमने अमेरिका को हराया

जंग के बीच ईरान का दावा; पश्चिम एशिया के मौजूदा हालात पर एक रिपोर्ट

वॉशिंगटन/तेहरान। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने दावा किया है कि दुनिया ने मान लिया है कि ईरान ने अमेरिका के खिलाफ युद्ध जीत लिया है। ईरानी सरकारी मीडिया के मुताबिक, पेजेशकियन ने कहा कि अब अमेरिका के साथ युद्ध खत्म होना चाहिए, क्योंकि पूरी दुनिया ईरान की जीत को स्वीकार कर चुकी है।

यह बयान ऐसे समय आया है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का प्रशासन ईरान पर आर्थिक दबाव और प्रतिबंधों को और कड़ा करने की तैयारी में है। अमेरिका

ईरान को उसके परमाणु कार्यक्रम पर रोक लगाने और तेल एवं गैस टैंकरों के लिए रणनीतिक होर्मुज जलडमरूमध्य को पूरी तरह खोलने के लिए मजबूर करना चाहता है। ईरानी समाचार एजेंसी IRNA के अनुसार, पेजेशकियन ने कहा कि पूरी दुनिया ने हमारी जीत को स्वीकार किया है और अमेरिका से नफरत की जाती है। ईरानी राष्ट्रपति का यह बयान अमेरिका की ओर से बढ़ाए जा रहे आर्थिक दबाव के बीच आया है। ट्रंप प्रशासन ईरान के खिलाफ अभूतपूर्व आर्थिक कार्रवाई की बात कर रहा है।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने ईरान पर अभूतपूर्व स्तर की आर्थिक जंग और अलगाव थोपने की घोषणा की है। अमेरिका का उद्देश्य ईरानी नेतृत्व पर दबाव बढ़ाकर उसकी परमाणु गतिविधियों को रोकना और होर्मुज जलडमरूमध्य को दोबारा पूरी तरह खोलना है। इसी बीच अमेरिका के तुर्किये में राजदूत और सीरिया के विशेष दूत टॉम बैरक की टिप्पणी ने गोलान हाइट्स को लेकर अमेरिकी नीति पर सवाल खड़े कर दिए हैं। शुक्रवार को एक इंटरव्यू में बैरक ने कहा कि इस्राइल अभी भी गोलान हाइट्स पर कब्जा किए हुए है।

एक्सपायरी इंजेक्शन मिले, एच-1 रजिस्टर और सीसीटीवी में खामियां; कार्रवाई की भनक लगते ही एक संचालक दुकान बंद कर फरार

कुसमी में मेडिकल स्टोरों पर संयुक्त टीम का धमाकेदार छापा

कुसमी/मूक पत्रिका

दुर्गेश गुप्ता । स्वास्थ्य सेवाओं में लापरवाही और नियमों की अनदेखी को लेकर शुक्रवार को कुसमी नगर में प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की। कलेक्टर एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के निर्देशन तथा एसडीएम कुसमी के मार्गदर्शन में राजस्व, स्वास्थ्य और पुलिस विभाग की संयुक्त टीम ने मेडिकल स्टोर, क्लीनिक और पैथोलॉजी लैब में औचक निरीक्षण अभियान चलाया। कार्रवाई के दौरान कई प्रतिष्ठानों में गंभीर अनियमितताएं सामने आई। सबसे चौंकाने वाली बात यह रही कि कुछ मेडिकल दुकानों से एक्सपायरी इंजेक्शन बरामद हुए, जबकि एक संचालक कार्रवाई की भनक लगते ही दुकान बंद कर मौके से फरार हो गया। कार्रवाई देर शाम तक चलने के कारण नगर के कई मेडिकल स्टोर, क्लीनिक और पैथोलॉजी लैब जांच के दायरे में आने से बच गए। अब सवाल उठ रहा है कि जिन प्रतिष्ठानों का निरीक्षण नहीं हो सका, वहां नियमों का पालन किस स्तर तक हो रहा है?

एक्सपायरी इंजेक्शन ने बढ़ाई चिंता-संयुक्त जांच टीम के निरीक्षण में आकाश मेडिकल, मिमसाद मेडिकल, फातिमा मेडिकल, सैफमेडिकल और रिम्शा मेडिकल में एक्सपायरी इंजेक्शन पाए जाने की जानकारी सामने आई। स्वास्थ्य विभाग ने संबंधित मामलों में नियमानुसार कार्रवाई किए जाने की बात कही है।दवाइयों और इंजेक्शन की एक्सपायरी डेट मरीजों की सुरक्षा से सीधे जुड़ी होती है। ऐसे में मेडिकल प्रतिष्ठानों में एक्सपायरी दवाओं का मिलना स्वास्थ्य व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करता है।

कहीं रजिस्टर गायब तो कहीं सीसीटीवी तक नहीं-निरीक्षण के दौरान मैत्री मेडिकल में एच-1 रजिस्टर संधारित नहीं पाया गया। वहीं प्रियम मेडिकल में सीसीटीवी कैमरा नहीं लगा मिला। टीम ने मेडिकल स्टोर संचालकों को आवश्यक रिकॉर्ड व्यवस्थित रखने और प्रतिष्ठानों में सीसीटीवी कैमरे लगाने के साथ उन्हें चालू रखने के निर्देश दिए। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि नियमों का उल्लंघन मिलने पर संबंधित संचालकों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।कार्रवाई शुरू होते ही दुकान बंद, संचालक फरार !संयुक्त टीम की कार्रवाई के दौरान एक मेडिकल स्टोर संचालक द्वारा दुकान बंद कर मौके से चले जाने की बात सामने आई। हालांकि दुकान बंद होने के कारणों और संचालक के फरार होने की स्थिति को लेकर प्रशासनिक स्तर पर आगे क्या कार्रवाई होती है, इस पर अब निगाहें टिकी हैं। वहीं टीम के पहुंचने से पहले शिव महिमा मेडिकल और शिव महिमा मेडिकोज बंद मिले। देर शाम होने के कारण आरना मेडिकल, श्रीराम मेडिकल, कुशवाहा पैथोलॉजी, सैफ मेडिकोज सहित अन्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण नहीं हो सका।

इन प्रतिष्ठानों में हुई जांच-संयुक्त टीम ने मैत्री मेडिकल, प्रियल मेडिकल, श्री श्याम मेडिकल, श्री कृष्णा मेडिकल, आकाश मेडिकल, फातिमा मेडिकल, मिमसाद मेडिकल, मुन्ना मेडिकल, शिफा आयुष होम्यो क्लीनिक, सैफ मेडिकल, रिम्शा मेडिकल, सृष्टि मेडिकल, न्यू सूर्या क्लीनिक और वेदमाता पैथोलॉजी का निरीक्षण किया। जांच टीम में नायब तहसीलदार कुसमी अनुग्रह केरकेट्टा, बीएमओ डॉ. सतीश पैकरा, बीपीएम अनूप बड़ा, बीईटीओ जीतेन्द्र सोलंकी, फार्मासिस्ट अदिति गुप्ता सहित पुलिस विभाग की टीम शामिल रही।

झोलाछाप डॉक्टरों पर भी प्रशासन की नजर-ग्राम जमुआटांड़ में कथित झोलाछाप डॉक्टर द्वारा इंजेक्शन लगाए जाने के बाद मासूम बच्चे की मौत के मामले के बाद जिला प्रशासन स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर सतर्क है। इसी क्रम में जिले के विभिन्न क्षेत्रों में मेडिकल स्टोर, क्लीनिक, पैथोलॉजी लैब और बिना वैध अनुमति चिकित्सा कार्य करने वालों की जांच की जा रही है। बीएमओ डॉ. सतीश पैकरा के अनुसार कुसमी नगर के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों में भी जांच अभियान चलाया जाएगा। बिना निर्धारित योग्यता या वैध अनुमति चिकित्सा कार्य करने वालों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। आरटीआई ने खोली दूसरी फाइल! शासकीय भूमि पर मेडिकल दुकान के लिए एनओसी कैसे? दस्तावेजों ने खड़े किए बड़े सवाल-मेडिकल स्टोरों पर हुई कार्रवाई के बीच सूचना के अधिकार अधिनियम के तहत प्राप्त दस्तावेजों ने एक अलग ही सवाल खड़ा कर दिया है। प्राप्त दस्तावेजों के अनुसार कुसमी नगर में संचालित एक मेडिकल दुकान के लिए खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग के समक्ष प्रस्तुत दस्तावेजों में नगर पंचायत कुसमी द्वारा जारी एनओसी भी शामिल है। आरटीआई से प्राप्त दस्तावेजों के आधार पर संबंधित स्थल की भूमि शासकीय भूमि होने का दावा सामने आया है। यदि भूमि वास्तव में शासकीय है, तो सबसे बड़ा सवाल यही है कि निजी मेडिकल दुकान के संचालन के लिए नगर पंचायत ने एनओसी किस आधार पर जारी की?

एनओसी जारी करने से पहले क्या हुआ था भूमि रिकॉर्ड का सत्यापन?

मामले में अब कई सवाल सामने आ रहे हैं–

* क्या एनओसी जारी करने से पहले भूमि के स्वामित्व का सत्यापन किया गया था?
* क्या संबंधित भूमि का रिकॉर्ड नगर पंचायत ने जांचा था?
* शासकीय भूमि पर निजी व्यवसायिक गतिविधि की अनुमति किस आधार पर दी गई?
* मेडिकल लाइसेंस के लिए प्रस्तुत एनओसी का खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग ने किस स्तर पर सत्यापन किया?

टीचर कॉलोनी के पास मिली लाश .. चेहरे में चोट .. हत्या या घटना ..

घरघोड़ा/मूक पत्रिका

घरघोड़ा नगर पंचायत के वार्ड 8 टीचर कॉलोनी के पास एक व्यक्ति कि चोट के निशान के साथ लाश मिलने से सनसनी मच गई थी। मृतक के चेहरे पर चोट के निशान दिखाई पड़ रहें थे जैसे किसी मजबूत चीज से चोट लगी हो। मृतक कि पहचान लखन निवासी ग्राम चुल्हकीमार के रूप में बताई जा रही है। घटना कि सुचना के बाद घरघोड़ा पुलिस मौके पर पहुंच कर शव को कब्जे में लेकर शव को पोस्टमार्टम के लिये हॉस्पिटल भेज दिया है। हत्या है या घटना पूरा मामला शव पोस्टमार्टम और पुलिस जाँच ले बाद मौत के कारणों का खुलासा होगा। फिलहाल पुलिस जाँच कार्यवाई में जुट गई है।

थाना से महज दूरी पर चोरों का आतंक, एक ही रात में तीन दुकानों के टूटे ताले

सप्ताहभर में 5वीं-6वीं चोरी से व्यापारियों में दहशत, पुलिस गश्त पर उठे सवाल

घरघोड़ा/मूक पत्रिका

नगर में चोरों के हौसले लगातार बुलंद होते जा रहे हैं। थाना क्षेत्र में बीती रात चोरों ने एक साथ तीन दुकानों को निशाना बनाकर पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए। प्रियदर्शी, इंडेन गैस और पूजा रेस्टोरेंट के ताले टूटे मिले। खास बात यह है कि ये वारदात थाना से महज कुछ दूरी पर हुई है। जानकारी के मुताबिक, चोरों ने रात के अंधेरे का फायदा उठाते हुए तीनों प्रतिष्ठानों के ताले तोड़कर अंदर प्रवेश किया। दुकानों से नकदी अथवा सामान की कितनी चोरी हुई है, इसका आकलन संचालकों द्वारा किया जा रहा है। एक ही रात में तीन दुकानों के ताले टूटने की खबर से इलाके में हड़कंप मच गया और व्यापारियों में दहशत का माहौल है। स्थानीय लोगों और व्यापारियों का कहना है कि नगर में लगातार चोरी की घटनाएं सामने आ रही हैं, लेकिन इसके बावजूद रात में पुलिस गश्त और निगरानी व्यवस्था को लेकर सवाल उठ रहे हैं। लोगों का कहना है कि यदि संवेदनशील इलाकों में नियमित गश्त और निगरानी बढ़ाई जाए तो चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाया जा सकता है। बताया जा रहा है कि घरघोड़ा थाना क्षेत्र में महज एक सप्ताह के भीतर चोरी की पांचवीं से छठवीं घटना सामने आई है। लगातार हो रही वारदातों से लोगों में सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं, ताकि चोरों की पहचान कर उनके खिलाफ कार्रवाई की जा सके।अब सवाल यह है कि थाना से महज दूरी पर एक ही रात में तीन प्रतिष्ठानों के ताले तोड़ने वाले चोर कौन हैं? लगातार चोरी की घटनाओं के बीच पुलिस इन वारदातों का खुलासा कब तक करती है और नगर की सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए क्या कदम उठाए जाते हैं, इस पर सभी की नजरें टिकी हैं।

कब्जा हटाने के बाद मोहल्लेवासियों से बदसलूखी, ज्ञापन सौंपा, कार्रवाई की मांग

मामला ममता नगर वार्ड का, दो दिन पहले नगर निगम ने हटाया था अतिक्रमण

राजनांदगांव। ममता नगर के वार्ड-18 की गली नंबर 5 में आम रास्ते को बंद किए जाने के विवाद ने अब गंभीर रूप ले लिया है। मोहल्लेवासियों का आरोप है कि रास्ते में अतिक्रमण किए जाने के कारण लंबे समय से लोगों को आवागमन में परेशानी हो रही थी। स्कूल बस बच्चों के घरों तक नहीं पहुंच पा रही थी। वहीं बुजुर्गों, बच्चों और अन्य वार्डवासियों को भी आने-जाने में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था। मामले में नगर निगम द्वारा अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई किए जाने के बाद भी विवाद थमने के बजाय और बढ़ गया है। नगर निगम के नेता प्रतिपक्ष संतोष पिल्ले के नेतृत्व में पार्षद संगीता देवांगन एवं समस्त मोहल्लेवासियों ने पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपकर तत्काल उचित कार्रवाई की मांग की है। शिकायत में नूतन साहू, भोला राम साहू एवं उनके परिवार के सदस्यों पर रास्ते से गुजरने वाले लोगों के साथ कथित रूप से गाली-गलौज करने तथा जान से मारने की धमकी देने के आरोप लगाए गए हैं। शिकायतकर्ताओं ने बताया कि आम रास्ते को लेकर मोहल्लेवासियों की मांग के बाद नगर निगम द्वारा अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गई थी। इसी दौरान नगर निगम की संपत्ति को क्षतिग्रस्त करने और निगम के वाहन चालक पर हमला किए जाने के मामले में नूतन साहू एवं परिवार के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गई थी। मोहल्लेवासियों का आरोप है कि एफआईआर दर्ज होने के बावजूद संबंधित लोगों के खिलाफ अब तक अपेक्षित कार्रवाई नहीं की गई है। ज्ञापन में कहा गया है कि कार्रवाई नहीं होने से मोहल्ले का वातावरण लगातार खराब हो रहा है। शिकायतकर्ताओं ने आशंका जताई कि यदि समय रहते मामले में पुलिस ने हस्तक्षेप नहीं किया तो भविष्य में किसी बड़ी घटना की स्थिति निर्मित हो सकती है।

लोगों ने पुलिस प्रशासन से मामले को गंभीरता से लेते हुए सुरक्षा उपलब्ध कराने की मांग की है। मोहल्लेवासियों ने यह भी आरोप लगाया कि रास्ते में दरवाजे का मलबा अब भी सड़क पर रखा हुआ है, जिसके कारण आने-जाने वाले लोगों को परेशानी हो रही है। उन्होंने पुलिस प्रशासन से सड़क पर पड़े मलबे को तत्काल हटवाने तथा आम रास्ते को सुचारू कराने की मांग की है।

सावन में शिवालयों में सजे झूले, भोलेनाथ के दरबार में भक्ति के रंग में झूला मुंगेली

मुंगेली। पवित्र सावन मास के साथ ही जिले के शिवालयों में भक्ति और उल्लास का अनोखा संगम देखने को मिल रहा है। भगवान भोलेनाथ के दरबार को आकर्षक ढंग से सजाने के साथ ही कई शिव मंदिरों में विशेष सावन झूले लगाए गए हैं। फूलों, पत्तियों और रंग-बिरंगी सजावट से सजे इन झूलों ने मंदिरों की सुंदरता में चार चांद लगा दिए हैं। शाम होते ही श्रद्धालुओं की भीड़ इन झूलों को देखने और सावन की भक्ति में शामिल होने के लिए मंदिरों में पहुंच रही है। सावन झूले की परंपरा को लेकर श्रद्धालुओं में खासा उत्साह देखा जा रहा है। मंदिर परिसरों में भगवान शिव-पार्वती की आकर्षक झांकी के साथ झूले सजाए गए हैं। कहीं झूले को फूलों से सजाया गया है तो कहीं आकर्षक रोशनी और प्राकृतिक सजावट के माध्यम से सावन के माहौल को जीवंत रूप दिया गया है। झूले के आसपास महिलाओं और बच्चों की विशेष चहल-पहल दिखाई दे रही है। श्रद्धालुओं का कहना है कि सावन का महीना भगवान शिव की आराधना का विशेष अवसर होता है। इस दौरान मंदिर में पूजा-अर्चना के साथ सावन झूले की परंपरा उत्सव का रूप ले लेती है। महिलाएं सावन के पारंपरिक गीत गाते हुए झूले का आनंद ले रही हैं, जिससे मंदिर परिसर में भक्ति के साथ लोक संस्कृति की भी झलक दिखाई दे रही है। शिवालयों में सुबह से ही जलाभिषेक, दुग्धाभिषेक और विशेष पूजा-अर्चना का सिलसिला चलता है। शाम के समय आरती के बाद सावन झूले के आसपास श्रद्धालुओं की भीड़ और बढ़ जाती है। मंदिरों में बजते भजनों और सावन गीतों के बीच वातावरण पूरी तरह भक्तिमय नजर आता है। मुंगेली जिले में सावन झूले अब केवल सजावट का हिस्सा नहीं, बल्कि श्रद्धा, परंपरा और सामाजिक सहभागिता का आकर्षण बन गए हैं। इन झूलों के माध्यम से मंदिर समितियां सावन की धार्मिक परंपराओं को जीवंत रखने के साथ नई पीढ़ी को भी अपनी संस्कृति से जोड़ने का प्रयास कर रही हैं। पूरे सावन माह में शिवालयों में यह भक्ति और उल्लास का सिलसिला जारी रहने की उम्मीद है।

प्रभारी मंत्री ने ली बलरामपुर जिले की मैराथन विभागीय समीक्षा बैठक, अधिकारियों को मैदान में उतरकर योजनाओं की निगरानी के दिए निर्देश

योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाएं, विकास कार्यों में गुणवत्ता से समझौता नहीं : मंत्री राजवाड़े

बलरामपुर/मूक पत्रिका

दुर्गेश गुप्ता । बलरामपुर जिले की प्रभारी मंत्री एवं महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने शुक्रवार को संयुक्त जिला कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित विभागीय समीक्षा बैठक में जिले के विकास कार्यों और शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में मंत्री ने अधिकारियों को दो टूक निर्देश देते हुए कहा कि सरकार की योजनाओं का वास्तविक लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचना चाहिए और विकास कार्यों का असर कागजों के बजाय जमीन पर दिखाई देना चाहिए। मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने अधिकारियों से कहा कि वे केवल कार्यालयों में बैठकर योजनाओं की समीक्षा न करें, बल्कि नियमित रूप से मैदानी क्षेत्रों का दौरा कर योजनाओं की वास्तविक स्थिति देखें। उन्होंने विकास कार्यों में गुणवत्ता, गति और समय-सीमा को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। साथ ही शासन और प्रशासन के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर जिले के समग्र विकास को गति देने पर जोर दिया।

अगली समीक्षा में दिखना चाहिए योजनाओं का असर-मंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि आगामी समीक्षा बैठक तक योजनाओं और विकास कार्यों की प्रगति स्पष्ट रूप से दिखाई देनी चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक विभाग अपने निर्धारित दायित्वों का प्रभावी निर्वहन करे और हितग्राहीमूलक योजनाओं में पात्र लोगों को किसी भी स्तर पर परेशानी नहीं होनी चाहिए।

किसानों के लिए एग्रीस्टेक और पीएम किसान पर जोर-बैठक में राजस्व विभाग से संबंधित न्यायालयीन प्रकरणों, अविवादित एवं विवादित खाता विभाजन, सीमांकन तथा एग्रीस्टेक पंजीयन की समीक्षा की गई। मंत्री ने किसानों का एग्रीस्टेक एवं प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि में शत-प्रतिशत पंजीयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। खाद और बीज की उपलब्धता की समीक्षा करते हुए उन्होंने किसानों को समय पर खाद-बीज उपलब्ध कराने तथा वितरण व्यवस्था में पारदर्शिता बनाए रखने के निर्देश दिए। मंत्री ने स्पष्ट किया कि पात्र किसान योजनाओं के लाभ से वंचित नहीं होना चाहिए।

हर घर में लगेगा मुनगा, पोषण अभियान को मिलेगी नई दिशा-महिला एवं बाल विकास विभाग की समीक्षा में मंत्री ने आंगनबाड़ी केन्द्रों में सुपोषण वृक्ष मुनगा के रोपण की जानकारी ली। उन्होंने हर घर मुनगा लगाने पर विशेष जोर देते हुए कहा कि मुनगा पौष्टिकता का बेहतर स्रोत है और इसे पोषण अभियान से जोड़कर अधिक से अधिक परिवारों तक पहुंचाया जाना चाहिए। उन्होंने राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत स्व-सहायता समूहों की महिलाओं को जैविक खेती और सब्जी उत्पादन से जोड़ने के निर्देश भी दिए, ताकि महिलाओं की आय में वृद्धि के साथ परिवारों के पोषण स्तर में भी सुधार हो।

स्कूल भवनों की गुणवत्ता पर सख्ती, बच्चों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता-स्कूल शिक्षा विभाग की समीक्षा के दौरान निर्माणाधीन स्कूल भवनों की गुणवत्ता को लेकर मंत्री ने विशेष निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मरम्मत योग्य स्कूल भवनों की समय पर मरम्मत कराने और विद्यार्थियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। मंत्री ने स्कूलों में न्योता भोज के माध्यम से बच्चों को बेहतर पोषण उपलब्ध कराने तथा आश्रम-छात्रावासों में भोजन की गुणवत्ता बनाए रखने पर भी जोर दिया। सामुदायिक शौचालयों में पर्याप्त पानी, साफ-सफाई और समुचित संचालन सुनिश्चित करने को कहा।

आंगनबाड़ी से लेकर महतारी वंदन तक योजनाओं की समीक्षा-मंत्री ने प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना, महतारी वंदन योजना में ई-केवाइसी, निर्माणाधीन आंगनबाड़ी भवन तथा मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ समय पर दिलाने के निर्देश दिए। जल जीवन मिशन के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में शुद्ध पेयजल की उपलब्धता, खराब हैंडपंपों का तत्काल सुधार तथा जल स्रोतों के संरक्षण और जल संचय कार्यों को प्राथमिकता देने के निर्देश भी दिए गए।

अस्पताल की व्यवस्था से लेकर पशुपालकों तक पर नजर-स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा करते हुए मंत्री ने जिला चिकित्सालय में साफ-सफाई और आवश्यक व्यवस्थाएं दुरुस्त रखने के निर्देश दिए। उन्होंने मरीजों को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने पर जोर दिया। पशुपालन विभाग की समीक्षा में कृत्रिम गर्भाधान, पशु टीकाकरण, गौधाम योजना सहित विभिन्न योजनाओं की जानकारी ली गई। मंत्री ने अधिक से अधिक पशुपालकों को सरकारी योजनाओं से जोड़ने के निर्देश दिए।

सड़कों के निर्माण में गुणवत्ता की नियमित होगी मॉनिटरिंग-राष्ट्रीय राजमार्ग, लोक निर्माण विभाग, पीएमजीएसवाई और पीएम जनमन सड़क निर्माण कार्यों की समीक्षा करते हुए मंत्री ने सभी निर्माण कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सड़कों और अन्य निर्माण कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग हो तथा गुणवत्ता में किसी भी प्रकार की कमी नहीं रहनी चाहिए। शासकीय भूमि पर अतिक्रमण का चिन्हांकन एवं सीमांकन कर नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए गए।

हाथी प्रभावित गांवों में अलर्ट रहे प्रशासन- वन विभाग की समीक्षा के दौरान हाथी प्रभावित क्षेत्रों की स्थिति पर भी चर्चा हुई। मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने प्रभावित क्षेत्रों में विशेष सतर्कता बरतने, नियमित मुनादी कराने और ग्रामीणों को समय पर हाथियों की गतिविधियों की जानकारी देकर सचेत करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि हाथी प्रभावित क्षेत्रों में जनहानि रोकने के लिए प्रशासन और वन विभाग को पहले से आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करनी होंगी।

कलेक्टर और एसपी ने दी जिले की प्रगति की जानकारी-बैठक में कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी ने वर्षा एवं बोवाई की स्थिति, एग्रीस्टेक पंजीयन, वीबी-जी रामजी, जल जीवन मिशन, प्रधानमंत्री आवास, पीएम जनमन आवास एवं सुघ्घर छत्तीसगढ़ अभियान सहित विभिन्न योजनाओं की प्रगति की जानकारी मंत्री को दी। पुलिस अधीक्षक श्री वैभव बैंकर ने पंजीबद्ध अपराध, एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई, सड़क दुर्घटनाओं तथा हेलमेट जागरूकता अभियान की जानकारी प्रस्तुत की। वनमण्डलाधिकारी श्री आलोक वाजपेयी ने वन विभाग के कार्यों की जानकारी दी।बैठक में सामरी विधायक श्रीमती उद्धेश्वरी पैकरा, प्रतापपुर विधायक श्रीमती शकुंतला सिंह पोर्ते, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती हीरामुनी निकुंज, विधायक प्रतिनिधि श्री बलवंत सिंह सहित जिले के विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। मंत्री के निर्देशों का मूल संदेश साफ रहा– योजनाएं सिर्फ कागजों तक सीमित न रहें, बल्कि उनका लाभ गांव के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे और विकास कार्यों की गुणवत्ता जमीन पर दिखाई दे।

सावन उत्सव के माध्यम से महिला सशक्तिकरण और स्वरोजगार का संदेश, पाड़ीमार में गूंजा उन्नति का संकल्प

उन्नति महासंघ के सावन उत्सव में स्वयं सहायता समूह की महिलाओं ने उत्साहपूर्वक लिया हिस्सा

कोरबा/मूक पत्रिका

हरियाली और उत्साह के पर्व सावन को महिला सशक्तिकरण एवं आजीविका संवर्धन से जोड़ते हुए उन्नति महासंघ, बालको, कोरबा द्वारा बालको क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर सावन उत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इसी श्रृंखला में शनिवार, 22 अगस्त 2026 को पाड़ीमार स्थित सामुदायिक भवन में भव्य सावन उत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्र के विभिन्न स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भागीदारी की। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को एक मंच पर एकत्रित कर स्वरोजगार, उद्यमिता एवं आजीविका संवर्धन के प्रति जागरूक करना तथा उन्हें आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करना रहा। सावन उत्सव के दौरान विभिन्न मनोरंजक एवं पारंपरिक खेलों का आयोजन किया गया, जिसमें महिलाओं ने

बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। खेलों एवं सामूहिक गतिविधियों के माध्यम से कार्यक्रम स्थल पर उत्साह, उमंग और आपसी सौहार्द का वातावरण देखने को मिला। इस अवसर पर महिलाओं के साथ छोटे-छोटे स्वरोजगार एवं आजीविका गतिविधियों से जुड़े प्रेरणादायक अनुभव साझा किए गए। महिलाओं को यह संदेश दिया गया कि सामूहिक प्रयास, कौशल विकास, उपलब्ध संसाधनों का बेहतर उपयोग और बाजार से जुड़ाव के माध्यम से छोटे स्तर की गतिविधियों को भी स्थायी आय के साधन में बदला जा सकता है। उन्नति महासंघ का उद्देश्य केवल महिलाओं को स्वयं सहायता समूहों से जोड़ना ही नहीं, बल्कि उन्हें स्वरोजगार एवं उद्यमिता के अवसरों से जोड़ते हुए आर्थिक रूप से सशक्त, आत्मनिर्भर और निर्णय लेने में सक्षम बनाना है।

महासंघ द्वारा महिलाओं के उत्पादों एवं सेवाओं को बाजार से जोड़ने, नए व्यवसायिक अवसरों की जानकारी देने, कौशल विकास को बढ़ावा देने तथा विभिन्न योजनाओं एवं संस्थागत अवसरों तक पहुंच बनाने की दिशा में निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। सावन उत्सव की यह पहल भी इसी व्यापक उद्देश्य का हिस्सा है, जिसके माध्यम से क्षेत्र की महिलाओं और समुदाय के बीच उन्नति महासंघ द्वारा उपलब्ध कराए जा रहे रोजगार, स्वरोजगार, उद्यमिता एवं आजीविका संवर्धन के अवसरों की जानकारी जन-जन तक पहुंचाई जा रही है। इस सावन माह के दौरान बालको क्षेत्र में अब तक कुल पांच सावन उत्सव कार्यक्रम आयोजित किए जा चुके हैं। सभी कार्यक्रमों में स्वयं सहायता समूह की महिलाओं की उत्साहपूर्ण भागीदारी रही तथा कार्यक्रम सौहार्दपूर्ण वातावरण में सफलतापूर्वक संपन्न हुए। इन आयोजनों को सफल बनाने में उन्नति महासंघ की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उन्नति महासंघ का यह प्रयास है कि उत्सव और सामुदायिक आयोजनों को केवल मनोरंजन तक सीमित न रखते हुए उन्हें महिला सशक्तिकरण, आर्थिक आत्मनिर्भरता, स्वरोजगार और सामुदायिक विकास का माध्यम बनाया जाए।

सावन उत्सव की यह श्रृंखला इसी सोच को आगे बढ़ाते हुए महिलाओं को एकजुट होकर आगे बढ़ने और अपने लिए नए अवसर तलाशने का संदेश दे रही है।

फर्जी कॉल, लिंक और डिजिटल अरेस्ट से रहें सावधा, पुलिस ने छात्रों को दी साइबर सुरक्षा की जानकारी

बीजापुर/मूक पत्रिका

आशीष पदमवार। ऑनलाइन ठगी के बढ़ते मामलों के बीच बीजापुर पुलिस द्वारा चलाए जा रहे साइबर जागृति अभियान के तहत शनिवार को एकलव्य विद्यालय बीजापुर और हायर सेकंडरी स्कूल भैरमगढ़ में साइबर जागरूकता कार्यशाला आयोजित की गई। इसमें विद्यार्थियों को साइबर अपराध के विभिन्न तरीकों और उनसे बचाव के उपायों की जानकारी दी गई। कार्यशाला में पुलिस ने फर्जी कॉल, संदिग्ध लिंक, ओटीपी फ्रॉड, ऑनलाइन शॉपिंग फ्रॉड, सोशल मीडिया के जरिए होने वाले अपराध, फर्जी निवेश व नौकरी के नाम पर ठगी तथा डिजिटल अरेस्ट जैसे मामलों के बारे में समझाया। विद्यार्थियों को अनजान लिंक पर क्लिक नहीं करने और ओटीपी, पिन, सीवीवी सहित बैंक संबंधी गोपनीय जानकारी किसी के साथ साझा नहीं करने की सलाह दी गई।

सोशल मीडिया पर बरतें सावधानी

विद्यार्थियों को सोशल मीडिया अकाउंट की प्राइवेसी सेटिंग सुरक्षित रखने और साइबर बुलिंग, संदिग्ध मैसेज या अनजान कॉल आने पर सतर्क रहने कहा गया।

लगातार परेशान करने वाले या संदिग्ध नंबरों की संचार साथी पोर्टल की 'चक्षु' सुविधा के माध्यम से रिपोर्ट करने की जानकारी भी दी गई। पुलिस ने विद्यार्थियों से अपील की कि वे स्वयं साइबर अपराधों से सतर्क रहें और अपने परिवार तथा आसपास के लोगों को भी सुरक्षित डिजिटल व्यवहार के प्रति जागरूक करें। अभियान के तहत जिले के स्कूलों, कॉलेजों और अन्य शैक्षणिक संस्थानों में लगातार जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

अवैध गांजा परिवहन पर डोंगरीपाली पुलिस की कार्यवाही, 4 किलो 14 ग्राम गांजा के साथ आरोपी गिरफ्तार..

सारंगढ़-बिलाईगढ/मूक पत्रिका

जिले में अवैध नशे के कारोबार के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई लगातार जारी है। इसी क्रम में डोंगरीपाली पुलिस ने 4 किलो 14 ग्राम गांजा के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर उसे न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है। पुलिस के अनुसार, मुखबिर से सूचना मिली थी कि ग्राम बिरनीपाली बस स्टैंड के पास एक व्यक्ति गांजा लेकर बिक्री करने की तैयारी में खड़ा है। सूचना मिलते ही डोंगरीपाली पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और घेराबंदी कर

संदिग्ध व्यक्ति को पकड़ लिया।

चार पैकेट में मिला गांजा–पुलिस ने आरोपी की तलाशी ली तो उसके पास से चार पैकेटों में कुल 4 किलो 14 ग्राम गांजा बरामद हुआ। गांजा जब्त करने के बाद आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। पुलिस ने मामले में थाना डोंगरीपाली में अपराध क्रमांक 38/2026, धारा 20(बी) एनडीपीएस एक्ट के तहत अपराध दर्ज किया। आरोपी को विधिवत गिरफ्तार करने के बाद न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया।

नशे के खिलाफ कार्रवाई जारी–पुलिस अधिकारियों के निर्देश पर जिले में गांजा, शराब सहित अन्य मादक पदार्थों के अवैध कारोबार पर लगातार नजर रखी जा रही है। पुलिस का कहना है कि अवैध नशे के कारोबार में शामिल लोगों के खिलाफ आगे भी कार्रवाई जारी रहेगी।इस कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक सत्यवादी साहू, सहायक उपनिरीक्षक कुंवर टोप्पो, छेटेलाल सिदार, प्रधान आरक्षक रामदयाल, गजानंद पटेल, आरक्षक सुदर्शन राणा, किरण यादव सहित डोंगरीपाली थाना स्टाफ की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

'मासूमो की सुरक्षा भी ख़तरे में सरकारी नूकसान का जिम्मेदार कौन अब जांच और जवाबदेही की दरकार

पवन कुमार नाग जिला बस्तर जगदलपुर से मामला है करपावड वन परिक्षेत्र का

सरकारी संपत्ति की बर्बादी पर खामोश क्यों है विभाग, जवाबदेही एतय करने की उठी मांग

बस्तर/मूक पत्रिका

जिसे बस्तर के जंगलों का 'हरा सोना' कहा जाता है, वही तेंदूपत्ता आज जिम्मेदारों की कथित लापरवाही के बीच सड़ने के लिए पड़ा हुआ नजर आ रहा है। तेंदूपत्ते से भरे बोरे खुले में पड़े हैं और बारिश के मौसम में इनके खराब होने का खतरा लगातार बना हुआ है। ऐसे में सवाल सिर्फ तेंदूपत्ते के खराब होने का नहीं, बल्कि शासन की संपत्ति और

जनता के पैसों की जवाबदेही का है।आखिर लाखों रुपये की सरकारी संपत्ति को इस तरह खुले में छोड़ने की नौबत क्यों आई? तेंदूपत्ता सुरक्षित स्थान पर क्यों नहीं रखा गया? समय रहते विभागीय अधिकारियों ने इसकी सुध क्यों नहीं ली? और यदि यह तेंदूपत्ता खराब होकर नष्ट होता है, तो इस नुकसान की भरपाई कौन करेगा और इसकी जिम्मेदारी किस अधिकारी की तय होगी?

बच्चों की जान पर भी मंडरा रहा खतरा

चिंता की बात यह है कि जहां तेंदूपत्ते के बोरे पड़े हैं, वहां ग्रामीणों और बच्चों की आवाजाही भी होती है। बच्चे खेलते-खेलते इन बोरों के आसपास पहुंच सकते हैं। बारिश के मौसम में बोरे और उनके आसपास के स्थानों पर सांप-बिच्छू जैसे जहरीले जीवों का खतरा भी बना रहता है। यदि किसी मासूम बच्चे के साथ कोई अनहोनी घटना घट जाती है, तो क्या विभाग तब जागेगा? ग्रामीणों का यही सवाल अब जिम्मेदार अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर गंभीर प्रश्न खड़ा कर रहा है।

कागजों में नहीं, जमीन पर दिखे कार्रवाई

ग्रामीणों का कहना है कि शासन द्वारा वन उपज की खरीदी और उसके संरक्षण पर राशि खर्च की जाती है। ऐसे में तेंदूपत्ते को खुले में छोड़कर बर्बाद होने देना गंभीर विषय है। पूरे मामले में मौके का निरीक्षण कर यह पता लगाया जाना चाहिए कि तेंदूपत्ता कब खरीदा गया, कितनी मात्रा में खरीदा गया, कहां भंडारण किया

नाम वापसी के बाद अध्यक्ष पद पर 4 दावेदार, 31 को मतदान, जिला पत्रकार संघ सह प्रेस क्लब चुनाव : 23 अगस्त को चुनाव चिन्ह मिलेंगे

बीजापुर/मूक पत्रिका

आशीष पदमवार। जिला पत्रकार संघ सह प्रेस क्लब के चुनाव में नाम वापसी के बाद मुकाबले की तस्वीर साफ हो गई है। अध्यक्ष पद पर अब चार प्रत्याशी मैदान में हैं। नाम वापसी के अंतिम दिन बी. गौतम राव ने अध्यक्ष के साथ सचिव और कोषाध्यक्ष पद से भी अपनी दावेदारी वापस ले ली। अध्यक्ष पद के लिए कमलेश पैंकरा, के. संतोष कुमार, गणेश मिश्रा और ईश्वर सोनी के बीच मुकाबला होगा। वहीं, सचिव पद पर आशीष पदमवार, इरशाद खान और बसंत मामडीकर मैदान में हैं। कोषाध्यक्ष पद के लिए प्रसून शर्मा और सिरोज विश्वकर्मा के बीच मुकाबला होगा। 23 अगस्त को सभी प्रत्याशियों को चुनाव चिन्ह आवंटित किए जाएंगे। निर्वाचन अधिकारी अशोक मिश्रा और अयूब खान ने बताया कि

चुनाव के लिए कुल 12 नामांकन जमा हुए थे। इनमें अध्यक्ष पद के लिए 5, सचिव के लिए 4 और कोषाध्यक्ष पद के लिए 3 नामांकन शामिल थे। 21 अगस्त को नामांकन पत्रों की जांच पूरी हुई और 22 अगस्त को नाम वापसी की प्रक्रिया पूरी कर ली गई।

46 सदस्य करेंगे मतदान–चुनाव की मतदाता सूची को लेकर भी प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। 1 अगस्त को मतदाता सूची का प्रथम प्रकाशन किया गया था। दावा-आपत्ति के बाद संगठन विरोधी गतिविधियों के आरोप में 19 सदस्यों को निष्कासित किया गया। इसके बाद 13 अगस्त को 46 सदस्यों की संशोधित मतदाता सूची जारी की गई।

23 को चुनाव चिन्ह, 31 को फैसला–नाम वापसी के बाद अब चुनाव चिन्ह आवंटन की प्रक्रिया बाकी है। 23 अगस्त को प्रत्याशियों को चुनाव चिन्ह दिए जाएंगे। इसके बाद चुनाव प्रचार जोर पकड़ेगा। 31 अगस्त को मतदान होगा और इसी दिन मतगणना के बाद परिणाम घोषित किए जाएंगे। निर्वाचन अधिकारियों के अनुसार चुनाव प्रक्रिया निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से कराने की तैयारी है। मतदान केंद्र पर कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रशासन और पुलिस का सहयोग लिया जाएगा।

चुनाव कार्यक्रम

- 1 अगस्त – मतदाता सूची का प्रथम प्रकाशन
- 13 अगस्त – संशोधित मतदाता सूची जारी
- 20 अगस्त – नामांकन की अंतिम तिथि
- 21 अगस्त – नामांकन पत्रों की जांच
- 22 अगस्त – नाम वापसी पूरी
- 23 अगस्त – चुनाव चिन्ह आवंटन
- 31 अगस्त – मतदान, मतगणना और परिणाम

सक्ती पुलिस की बड़ी की बढ़ी सफलता : 20 लाख रुपये कीमत के 100 गुम मोबाइल बरामद

पुलिस अधीक्षक प्रफुल्ल ठाकुर के निर्देशन एवं मार्गदर्शन में साइबर सेल सक्ती को मिली बड़ी सफलता

बीजापुर/मूक पत्रिका

जिले के आम नागरिकों के गुम हुए मोबाइल फोन की पतासाजी एवं बरामदगी के लिए पुलिस अधीक्षक प्रफुल्ल ठाकुर के निर्देशन में तथा साइबर नोडल अधिकारी एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पंकज पटेल के नेतृत्व में साइबर सेल सक्ती द्वारा विशेष अभियान चलाया गया। अभियान के तहत साइबर सेल ने 100 नग एंड्रॉयड मोबाइल फोन बरामद किए हैं, जिनकी अनुमानित कीमत करीब 20 लाख रुपये है। जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में आम

नागरिकों द्वारा अपने एंड्रॉयड मोबाइल फोन गुम होने की सूचना दर्ज कराई गई थी। इन मोबाइल फोन की तकनीकी सहायता से पतासाजी की जा रही थी। साइबर सेल द्वारा जिले के साथ-साथ राज्य के अन्य जिलों एवं अन्य राज्यों से गुम हुए मोबाइल फोन की जानकारी सभी थाना एवं चौकी से एकत्र कर उनकी तलाश एवं बरामदगी के लिए विशेष अभियान चलाया गया।

जनवरी 2026 से अब तक 240 मोबाइल बरामद –सक्ती पुलिस द्वारा साइबर सेल की तकनीकी सहायता से जनवरी 2026 से अब तक कुल 240 गुम मोबाइल फोन बरामद किए जा चुके हैं, जिनकी कुल अनुमानित कीमत 50 लाख रुपये से अधिक है। इनमें से पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर पूर्व में 140 नग मोबाइल फोन, कीमत करीब 30 लाख रुपये, उनके वास्तविक धारकों को अलग-अलग अवसरों पर सुपुर्द किए जा चुके हैं। इसी क्रम में 100 नग बरामद मोबाइल फोन आज उनके धारकों को वापस किए गए। मोबाइल फोन वापस मिलने पर नागरिकों ने सक्ती पुलिस एवं साइबर सेल का आभार व्यक्त किया। कई नागरिकों को अपने गुम मोबाइल फोन वापस मिलने की उम्मीद नहीं थी, लेकिन साइबर सेल की तकनीकी सहायता से मोबाइल बरामद कर उन्हें वापस किए जाने से उनमें खुशी का माहौल रहा।

नागरिकों से पुलिस की अपील –सक्ती पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि अपने मोबाइल फोन को सुरक्षित एवं संभालकर रखें। मोबाइल फोन गुम अथवा चोरी होने की स्थिति में तत्काल आवश्यक दस्तावेजों के साथ नजदीकी थाना में सूचना दें। पुलिस ने विशेष रूप से भीड़भाड़ वाले स्थानों, हाट-बाजार, मेला एवं मड़ाई आदि में मोबाइल फोन का उपयोग करते समय सावधानी बरतने की अपील की है, क्योंकि ऐसे स्थानों पर मोबाइल गुम होने की घटनाएं अधिक होती हैं। यदि किसी व्यक्ति को रास्ते में कोई मोबाइल फोन पड़ा हुआ मिले तो उसे अपने पास रखने के बजाय तत्काल नजदीकी थाना में जमा कराएं और एक जिम्मेदार नागरिक होने का परिचय दें।

बेन गंगा से जल उठाकर कैलाश गुफा के लिए रवाना हुए हजारों कांवड़िए, ग्रामीणों ने सेवा-सत्कार कर बढ़ाया उत्साह

भव्य कांवड़ यात्रा में उमड़ा आस्था का सैलाब, जमीरा पाठ में पुष्पवर्षा कर हुआ कांवड़ियों का भव्य स्वागत

कुसमी/मूक पत्रिका

दुर्गेश गुप्ता । सावन के पावन अवसर पर शुक्रवार, 21 अगस्त 2026 को ग्राम डुमरपाठ स्थित बेन गंगा से जल लेकर कैलाश गुफा के लिए निकली भव्य कांवड़ यात्रा में आस्था का जनसैलाब उमड़ पड़ा। हजारों की संख्या में कांवड़ियों ने पूरे उत्साह और श्रद्धाभाव के साथ यात्रा में हिस्सा लिया। भगवान शिव के जयकारों से यात्रा मार्ग भक्तिमय हो उठा और जगह-जगह कांवड़ियों के स्वागत के लिए श्रद्धालुओं एवं ग्रामीणों ने विशेष तैयारियां कीं। कांवड़ यात्रा जब ग्राम पंचायत जमीरा पाठ पहुंची तो ग्रामीणों ने कांवड़ियों का गर्मजोशी के साथ स्वागत किया। ग्रामीणों द्वारा कांवड़ियों पर पुष्पवर्षा कर उनका अभिनंदन किया गया। इस दौरान वातावरण हर-हर महादेव और बोल बम के जयघोष से गूंज उठा। बड़ी संख्या में ग्रामीण कांवड़ियों की सेवा और स्वागत के लिए मौजूद रहे।

स्वल्पाहार की भी रही विशेष व्यवस्था–कांवड़ियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए जमीरा पाठ में स्वल्पाहार की विशेष व्यवस्था की गई। यहां श्रद्धालुओं को चम-चम, मोतीचूर के लड्डू, चाय और बिस्कुट वितरित किए गए। लंबी दूरी की धार्मिक यात्रा पर निकले कांवड़ियों ने ग्रामीणों द्वारा किए गए सेवा-सत्कार की सराहना की। सेवा के दौरान कार्यकर्ताओं ने व्यवस्थित तरीके से कांवड़ियों को स्वल्पाहार उपलब्ध कराया।

दीपक गुप्ता की अगुवाई में की गई व्यवस्था–जमीरा पाठ निवासी श्री दीपक गुप्ता के द्वारा कांवड़ियों के स्वागत एवं स्वल्पाहार की संपूर्ण व्यवस्था की गई। आयोजन को सफल बनाने के लिए उन्होंने कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर आवश्यक तैयारियां कीं। कांवड़ियों के स्वागत से लेकर उनके जलपान और अन्य व्यवस्थाओं में कार्यकर्ताओं ने सक्रिय भूमिका निभाई।

कार्यकर्ताओं की रही महत्वपूर्ण भूमिका–कार्यक्रम को सफल बनाने में विष्णु, चंदन, सोनू, मोनू, विकास, रोहित, राहुल, नीरज, अंकित, राजा, रोशन, विक्रम, अमित और महेश सहित अन्य समर्पित कार्यकर्ताओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा। सभी कार्यकर्ताओं ने पूरी श्रद्धा और उत्साह के साथ कांवड़ियों की सेवा की। बेन गंगा से पवित्र जल लेकर कैलाश गुफा की ओर रवाना हुई इस कांवड़ यात्रा में हजारों श्रद्धालुओं की भागीदारी ने क्षेत्र में धार्मिक उत्साह और भक्ति का माहौल बना दिया। जमीरा पाठ में ग्रामीणों द्वारा किए गए भव्य स्वागत और सेवा-सत्कार ने कांवड़ियों के उत्साह को और बढ़ा दिया। यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं में भगवान शिव के प्रति गहरी आस्था और भक्ति देखने को मिली।

संपादकीय

झारखंड में जेएसएससी, सीजीएल समेत कई परीक्षाएं रद्द, खतरे में 1975 नौकरियां

सवाल है कि जितने लोगों की नौकरियां जाने की आशंका है, क्या सरकार उन सभी को अनियमितता का जिम्मेदार या उसमें सहभागी और उसका लाभ लेकर नौकरी हासिल करने वाला मान रही है? परीक्षाओं को रद्द करने का फैसला सरकार के सकारात्मक और लोकतांत्रिक रुख का संकेत है, लेकिन समूची व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए ठोस नीति और निर्णयों को जमीन पर उतारने की जरूरत पड़ती है। झारखंड में भर्ती परीक्षाओं में अनियमितता के आरोपों के बीच अभ्यर्थियों ने जो विरोध प्रदर्शन शुरू किया था, वह इस संबंध में राज्य सरकार के फैसले के बाद एक तरह से अपने निष्कर्ष पर पहुंच गया लगता है। सरकार ने टीडीपीएल के संचालन में हुई झारखंड कर्मचारी चयन आयोग-संयुक्त स्नातक स्तर (जेएसएससी-सीजीएल) परीक्षा रद्द करने का निर्णय लिया। यह प्रदर्शनकारी विद्यार्थियों की एक प्रमुख मांग थी।इसके अलावा, झारखंड लोकसेवा आयोग-14 की परीक्षा रद्द होगी और जेपीएससी ग्यारह से तेरह की भी जांच की जाएगी। साथ ही सरकार ने परीक्षा आयोजित कराने वाली निजी कंपनी टीडीपीएल द्वारा आयोजित सभी परीक्षाओं और उसकी ओर से जारी नतीजों को भी रद्द करने का फैसला किया। इस संदर्भ में झारखंड के मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि राज्य में काम कर रही कई कंपनियां एक बड़े परीक्षा गिरोह में संलिप्त हो गई लगती हैं।सवाल है कि अगर राज्य सरकार को इस बारे में पहले से भनक थी, तो उसने उस कथित गिरोह की गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए जरूरी कदम क्यों नहीं उठाया। फिर सारी स्थितियां स्पष्ट होने के बावजूद विद्यार्थियों का आंदोलन तीन हफ्ते से भी ज्यादा समय तक क्यों खिंचता रहा? सरकार यह कह सकती है कि वह विद्यार्थियों के आंदोलन को लेकर चिंतित थी और उसने समस्याओं से निपटने के लिए झारखंड प्रतियोगी परीक्षा (भर्ती में अनुचित साधनों की रोकथाम और निवारण) अधिनियम लागू कर दिया है।मगर परीक्षाओं में अनियमितता पर काबू पाने के लिए सारी व्यवस्थाएं चाक-चौबंद थीं, तो इतने बड़े पैमाने पर गड़बड़ियां सामने क्यों आईं और विद्यार्थियों को आंदोलन का रास्ता क्यों अख्तियार करना पड़ा? हालांकि परीक्षाओं को रद्द करने का फैसला सरकार के सकारात्मक और लोकतांत्रिक रुख का संकेत है, लेकिन समूची व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए ठोस नीति और निर्णयों को जमीन पर उतारने की जरूरत पड़ती है।बहरहाल, झारखंड सरकार के सामने एक नई चुनौती यह सामने आ सकती है कि विद्यार्थियों के विरोध प्रदर्शन के बाद जिस तरह टीडीपीएल के माध्यम से हुए अभ्यर्थियों के चयन को भी रद्द करने का फैसला लिया गया है, अब उससे संबंधित नई जटिलता सामने खड़ी होगी। गौरतलब है कि सरकार का फैसला अमल में आया, तो उसके बाद इन परीक्षाओं के जरिए चयनित 1975 लोगों की नौकरियां खत्म हो जाएंगी और 2014 के बाद से हुई सभी नियुक्ति परीक्षाओं की जांच होगी।सवाल है कि जितने लोगों की नौकरियां जाने की आशंका है, क्या सरकार उन सभी को अनियमितता का जिम्मेदार या उसमें सहभागी और उसका लाभ लेकर नौकरी हासिल करने वाला मान रही है? अब आगे इस दायरे में आए लोगों की ओर से अगर सरकार के फैसले का विरोध सामने आता है, तब उसे कैसे देखा जाएगा? यह अकेले झारखंड की समस्या नहीं है।

विश्व की विकसित अर्थव्यवस्थाओं में शुमार और उन्नत स्वास्थ्य चिकित्सा सेवाओं के ढांचे पर खड़े इस देश के पांव बुढ़ापे के कारण लड़खड़ा रहे हैं। जन्म दर लगातार घटने की वजह से कामकाजी युवा आबादी कम हो रही है, परिणामस्वरूप विभिन्न क्षेत्रों में काम करने वाले लोगों की कमी का संकट पैदा होने लगा है। इस समस्या से निपटने के लिए जापानी सरकार 'ऑटोमेशन' और 'रोबोटिक्स' तकनीक को तेजी से विकसित कर रही है। मगर सामाजिक कल्याण एवं चिकित्सा खर्चों के बढ़ते बोझ और सिमटती आय की वजह से जापान पर कर्ज का भार लगातार बढ़ रहा है। वहीं, तकरीबन 140 करोड़ की आबादी वाले भारत में इस समय विश्व की सबसे ज्यादा युवा आबादी है, जो कुल जनसंख्या का लगभग पैंसठ फीसद है।

विकसित होने से पहले ही 'बूढ़ा' हो जाएगा भारत? गिरती जन्मदर और बढ़ती बुजुर्ग आबादी

(अनीता सहरावत)

बच्चे और बूढ़े अर्थव्यवस्था पर निर्भर एक ऐसी आबादी है, जिसका बोझ उठाना सरकार और परिवार दोनों की मजबूरी है। केंद्र सरकार बजट का लगभग अठारह फीसद हिस्सा स्वास्थ्य, शिक्षा और समाज कल्याण पर खर्च करती है। इसमें से बुजुर्गों से जुड़ी योजनाओं के हिस्से केवल 0.15-0.20 फीसद रकम ही आती है।

जापान विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। करीब सवा बारह करोड़ की आबादी वाला यह देश तेजी से बूढ़ा हो रहा है और वर्तमान में यह दुनिया का सबसे बूढ़ा देश है। यहां जन्म दर लगातार गिर रही है और बूढ़ी आबादी तेजी से बढ़ रही है। आज जापान की लगभग तीस फीसद आबादी पैंसठ वर्ष से ज्यादा उम्र की है, यानी हर दस में से एक जापानी बूढ़ा है।

विश्व की विकसित अर्थव्यवस्थाओं में शुमार और उन्नत स्वास्थ्य चिकित्सा सेवाओं के ढांचे पर खड़े इस देश के पांव बुढ़ापे के कारण लड़खड़ा रहे हैं। जन्म दर लगातार घटने की वजह से कामकाजी युवा आबादी कम हो रही है, परिणामस्वरूप विभिन्न क्षेत्रों में काम करने वाले लोगों की कमी का संकट पैदा होने लगा है। इस समस्या से निपटने के लिए जापानी सरकार 'ऑटोमेशन' और 'रोबोटिक्स' तकनीक को तेजी से विकसित कर रही है। मगर सामाजिक कल्याण एवं चिकित्सा खर्चों के बढ़ते बोझ और सिमटती आय की वजह से जापान पर कर्ज का भार लगातार बढ़ रहा है।

वहीं, तकरीबन 140 करोड़ की आबादी वाले भारत में इस समय विश्व की सबसे ज्यादा युवा आबादी है, जो कुल जनसंख्या का लगभग पैंसठ फीसद है। नवीनतम आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण के मुताबिक, भारत में 15 से 16 फीसद कमाऊ एवं युवा आबादी के पास रोजगार नहीं है। यानी इस समय देश की 36.7 करोड़ युवा आबादी अर्थव्यवस्था में सक्रिय योगदान देने के लिए तैयार है, लेकिन विडंबना यह है कि यहां सबके लिए काम ही नहीं है। इस समय देश में डेढ़ से ढाई करोड़ युवा बेरोजगार हैं और इनमें भी पढ़े-लिखे युवाओं की आबादी ज्यादा है।

सीधे तौर पर कहा जाए, तो वर्तमान में युवा आबादी भी अर्थव्यवस्था में या तो लागत या फिर औसत गुजारे का ही योगदान दे पा रही है। ऐसे में यह सवाल चिंता पैदा करता है कि पच्चीस से तीस साल बाद की तस्वीर क्या होगी? क्योंकि संयुक्त राष्ट्र की 'इंडिया एजिंग रिपोर्ट-2023' के मुताबिक, वर्ष 2022 में साठ वर्ष से अधिक आयु के लोगों की संख्या 14.9 करोड़ थी, जो 2050 तक बढ़कर 34.7 करोड़ तक पहुंचने का अनुमान है। यानी पच्चीस साल बाद पांच में से हर एक भारतीय बूढ़ा होगा। साफ है कि विकसित अर्थव्यवस्था के पायदान पर पहुंचने से पहले ही भारत की गिनती बूढ़े देशों में होने लगेगी।

बच्चे और बूढ़े अर्थव्यवस्था पर निर्भर एक ऐसी आबादी है, जिसका बोझ उठाना सरकार और परिवार दोनों की मजबूरी है। बच्चे भविष्य का निवेश हैं, जिनके आने वाले समय में आय में तब्दील होने की उम्मीद है, जबकि बुजुर्ग आबादी केवल बचत का खर्च है। मगर ऐसा सोचकर बुढ़ापे की निर्भरता को भाग्य के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता। भविष्य की तैयारी करके इस चुनौती को गंभीर समस्या बनने से रोका जा सकता है।

केंद्र सरकार बजट का लगभग अठारह फीसद हिस्सा स्वास्थ्य, शिक्षा और समाज कल्याण पर खर्च करती है। इसमें से बुजुर्गों से जुड़ी योजनाओं के हिस्से केवल 0.15-0.20 फीसद रकम ही आती है। सरकारी खजाने से 6,645 करोड़ रुपए वृद्धावस्था पेंशन पर खर्च होते हैं, जो गरीबी रेखा से नीचे रहने वाले लोगों को दिए जाते हैं। यह राशि दिखने में भले ही बड़ी लगती है, लेकिन केंद्र की तरफ से प्रति व्यक्ति बुजुर्ग पेंशन के जरिए 200 से 500 रुपए की मामूली सहायता ही मिल पाती है, जिसमें राज्य अपने बजट का बड़ा हिस्सा जोड़कर इसे दो हजार से तीन हजार रुपए तक तय करते हैं। मगर मौजूदा हालात में इतनी कम राशि की मासिक पेंशन के भरोसे क्या गुजारा संभव है?

हालांकि सरकारी बजट पर बुजुर्गों की देखरेख एवं कल्याण के लिए स्वास्थ्य सेवाओं, बीमा और बचत योजनाओं का भी दबाव है।

भोजन, आश्रय और चिकित्सा की संयुक्त योजनाओं के अलावा शारीरिक सहायता एवं बुजुर्गों के लिए जीवनयापन में सहायक जरूरी सामान भी सरकार वृद्धों को मुफ्त मुहैया कराती है। अलग-अलग योजनाओं पर सालाना हजारों करोड़ रुपए सरकारी खजाने से खर्च होते हैं।

हालांकि अर्थशास्त्री और नीति-विशेषज्ञ इसे खर्च नहीं, बल्कि सामाजिक सुरक्षा का निवेश मानते हैं, जिसमें पैसा घूमकर खर्च या निवेश के रूप में वापस अर्थव्यवस्था में लौट आता है। मगर यह भी सच है कि सरकारी नीतियों के कागजों से जमीन पर उतरने में कई तरह के रोड़े हैं और योजनाओं की इस चमचमाती तस्वीर से अक्सर अपने घरों की दहलीज पर भूखे, अकेले और बीमार बैठे बुजुर्ग गायब रहते हैं। सरकारी मदद की या तो उन्हें जानकारी ही नहीं होती या फिर इस तक पहुंचना उनके लिए संभव नहीं हो पाता।

एक और दिलचस्प बात यह है कि देश का मध्यम वर्ग अर्थव्यवस्था की रीढ़ है, जो सबसे ज्यादा कर का बोझ उठाता है। वेतनभोगी और व्यापारिक मध्य वर्ग अपनी कुल आय का लगभग बीस से 45 फीसद विभिन्न तरह के कर के रूप में चुकाता है। इसके बावजूद इस वर्ग को सीधे तौर पर सरकार की तरफ से सामाजिक सुरक्षा या निश्चित बुढ़ापा पेंशन नहीं मिलती। चूंकि यह वर्ग सरकारी मानदंडों में मजबूर, गरीब और निचले तबके में नहीं आता, तो इसे सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का भी सहारा नहीं मिलता। यानी इसे अपने वर्तमान और भविष्य की चिंता खुद ही करनी होती है।

अब सवाल यह है कि इस असुरक्षा का दबाव क्या आने वाले वर्षों में अर्थव्यवस्था पर नहीं पड़ेगा? यह भी एक बड़ी समस्या है कि देश में प्रजनन दर बहुत तेजी से गिर रही है, क्योंकि कामकाजी होती युवा पीढ़ी में बच्चे पैदा न करने या सिर्फ एक बच्चे तक ही सीमित रहने की प्रवृत्ति बढ़ रही है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, इस समय देश में कुल प्रजनन दर 1.9 फीसद है, जोकि जनसंख्या के स्थिर संतुलन के आंकड़े 2.1 फीसद से काफी कम है।

प्रजनन दर में गिरावट की शुरुआत वर्ष 1970 के मध्य से ही शुरू हो गई थी, इसमें सबसे ज्यादा तेजी 1990 से 2000 के बीच दर्ज की गई। जो प्रजनन दर वर्ष 1991 में 3.6 फीसद थी, वह 2001 आते-आते 3.1 फीसद रह गई। वर्ष 2001 से लेकर अब तक प्रजनन दर में तेज गिरावट दर्ज की गई है। इस समय देश में प्रजनन दर इतिहास के सबसे न्यूनतम स्तर पर है। यानी वर्ष 1970 में औसतन एक महिला के पांच से अधिक बच्चे होते थे, मगर वर्तमान में यह औसत दो बच्चों से भी कम रह गई है। जबकि आजादी के समय प्रजनन दर अपने उच्चतम स्तर 6.18 फीसद पर थी।

दिल्ली, केरल, तमिलनाडु जैसे राज्यों में जन्म दर विकसित देशों जितनी कम हो चुकी है। इससे आने वाले समय में मानव कार्यबल में भारी कमी और क्षेत्रीय असमानता का खतरा पैदा होगा। देश में सरकारी योजनाओं का आधार बनने वाली नई जनगणना कई मायनों में खास होगी, जो भविष्य की रूपरेखा तैयार करेगी। इस बीच बचपन और बुढ़ापे का बिगड़ता आंकड़ा चर्चा नहीं, बल्कि संतुलन की जरूरत बता रहा है। अगर इस चुनौती पर अभी से काम शुरू नहीं किया गया, तो भविष्य के युवा कंधे इसका बोझ नहीं उठा पाएंगे। (यह लेखक के अपन विचार है)

उभरता उत्तर प्रदेश- वैश्विक निवेश की नई धुरी

(प्रोफेसर शिववर्धन पाठक)

'मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जापान दौरे से 'यूपी-जापान निवेश सम्मेलन 2026? तक का सफर बताता है कि जब कोई सरकार राज्य के विकास के लिए साफ नीयत व स्पष्ट नीति के साथ कदम बढ़ाती है तो नतीजा उन्नति का नया सवेरा लेकर ही आता है।'

कभी देश के औद्योगिक मानचित्र पर हाशिए पर रहने वाला उत्तर प्रदेश आज वैश्विक निवेशकों के लिए पहली पसंद बनता जा रहा है, तो इसमें अचरज की कोई बात नहीं है। क्योंकि 25 करोड़ की विशाल आबादी वाला यह राज्य अब केवल जनसंख्या के आधार पर नहीं, बल्कि अपनी आधुनिक अवसंरचना, सुदृढ़ कानून-व्यवस्था, और वन ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने के स्पष्ट रोडमैप के कारण पहचाना जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सफल जापान दौरे और वर्तमान में जारी 'यूपी-जापान निवेश सम्मेलन 2026' ने यह साबित कर दिया है कि उत्तर प्रदेश ने खुद को वैश्विक पूंजी और तकनीक के स्वागत के लिए पूरी तरह तैयार कर लिया है।

भरोसे और रणनीतिक साझेदारी की नींव – फरवरी 2026 में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जापान दौरे ने उत्तर प्रदेश और जापान के ऐतिहासिक व सांस्कृतिक संबंधों को एक नए आर्थिक आयाम में बदल दिया। टोक्यो रोड शो के दौरान जापानी उद्योगपतियों और टेक-दिग्गजों से मुलाकात कर मुख्यमंत्री ने राज्य के मेक-इन-यूपी विजन को प्रस्तुत किया। इस दौरान जापानी कंपनियों के साथ करीब एक लाख करोड़ के एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए, जबकि ?1.5 लाख करोड़ से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए। कुबोटा, स्पार्क मिंडा, टोयो डेंसो व नागासे जैसी दिग्गज जापानी कंपनियों ने एग्रीकल्चरल मशीनरी, ऑटोमेशन, रोबोटिक्स और सेमीकंडक्टर सेक्टर में निवेश की प्रतिबद्धता जताई। यामानाशी विश्वविद्यालय के साथ मिलकर आईआईटी कानपुर, आईआईटी बीएचयू और एचबीटीयू के सहयोग से 'ग्रीन हाइड्रोजन सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' की स्थापना पर सहमति बनी। जापानी निवेशकों की सुविधा के लिए उत्तर प्रदेश सरकार नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट (जेवर) के निकट यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) क्षेत्र में 500 एकड़ भूमि पर विशेष 'जापान सिटी' विकसित कर रही है। यह एकीकृत औद्योगिक टाउनशिप जापानी कंपनियों और उनके सप्लायर्स के लिए एक प्लग-एंड-प्ले प्लेटफॉर्म की तरह काम करेगी।

वैश्विक निवेश का 'हब' कैसे बना उत्तर प्रदेश – जापान दौरे की सफलता के बाद दिल्ली-एनसीआर में आयोजित हो रहा 'यूपी-जापान निवेश सम्मेलन 2026' (18-23 अगस्त) दोनों पक्षों के बीच व्यापारिक रिश्तों को धरातल पर उतारने का काम कर रहा है। इसमें 200 से अधिक शीर्ष जापानी प्रतिनिधि, सीईओ और नीति निर्माता भाग ले रहे हैं। उत्तर प्रदेश का यह आर्थिक रूपांतरण रातों-रात नहीं हुआ है। इसके पीछे दूरदर्शी नीतियां, कनेक्टिविटी और बेहतर शासन मॉडल है। 'जीरो टॉलरेंस' पर आधारित लॉ एंड ऑर्डर नीति ने राज्य में अपराधियों के खौफ को खत्म कर निवेशकों को सुरक्षा का भरोसा दिया है। सिंगल विंडो पोर्टल 'निवेश मित्र', सेक्टर-विशिष्ट नीतियों, और एमएसएमई इकाइयों के लिए 1000 दिनों तक कई एनओसी से छूट जैसे कदमों ने प्रदेश में लालफीताशाही को पूरी तरह से समाप्त कर दिया है।

विश्वस्तरीय एक्सप्रेसवे और लॉजिस्टिक्स कनेक्टिविटी – देश के कुल एक्सप्रेसवे नेटवर्क का 60 प्रतिशत हिस्सा अब यूपी में है। 17 चालू/प्रस्तावित घरेलू एयरपोर्ट्स, 5 अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे, देश का सबसे बड़ा रेल नेटवर्क, ईस्टर्न व वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर का जंक्शन, और देश का पहला इनलैंड वाटरवे (वाराणसी) यूपी को एक मजबूत लॉजिस्टिक्स पावरहाउस बनाते हैं। यही वजह है कि आज यूपी के पास भारत का 55 फीसदी मोबाइल मैन्युफैक्चरिंग और 60 प्रतिशत इलेक्ट्रॉनिक कंपोनेंट उत्पादन का आधार है। 96 लाख से अधिक एमएसएमई इकाइयां और एक विशाल युवा कार्यबल जापानी निवेशकों को निर्माण से लेकर खपत तक एक संपूर्ण पारिस्थितिकी तंत्र (इकोसिस्टम) प्रदान करते हैं।

वन ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था में निर्णायक – 'बीमारू' राज्य के ठप्पे को पीछे छोड़ते हुए उत्तर प्रदेश आज भारत के विकास का सबसे बड़ा ग्रोथ इंजन बनकर उभरा है। पिछले 9 वर्षों में राज्य का बजट, जीएसडीपी और प्रति व्यक्ति आय लगभग तीन गुना बढ़ चुकी है। जापान और उत्तर प्रदेश के बीच का संबंध केवल आर्थिक नहीं, बल्कि सांस्कृतिक और बौद्ध विरासत का भी है। भगवान बुद्ध की कर्मभूमि–सारनाथ, कुशीनगर, श्रावस्ती, और कपिलवस्तु–का विकास 'बुद्ध सर्किट' के रूप में करके राज्य ने जापानी पर्यटकों और आध्यात्मिक निवेशकों के साथ एक आत्मीय भावनात्मक संबंध गढ़ा है। यह केवल निवेश का आगमन नहीं। यह जापानी टेक्नोलॉजी व प्रिसिजन का यूपी के स्केल व स्पीड के साथ एक ऐतिहासिक संगम है। आज उत्तर प्रदेश ने यह साबित कर दिखाया है कि स्थिर सरकार, पारदर्शी नीतियों, आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर और सुरक्षित माहौल के बल पर किसी भी क्षेत्र को दुनिया की अग्रणी आर्थिक जमीन के रूप में स्थापित किया जा सकता है। आने वाले दिनों में दुनिया के अन्य शीर्ष औद्योगिक देशों के प्रतिनिधिमंडल यदि उत्तर प्रदेश में दौरा करते दिखाई दें तो यह हैरत की बात नहीं होगी।(लेखक प्रोफेसर हैदीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के वाणिज्य संकाय विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष रह चुके हैं।) ऊपर व्यक्त विचार लेखक के अपने हैं।

साधारणता में छिपा है असली सौंदर्य- चमक-दमक से दूर, सरलता में ढूंढें जीवन का सच्चा आनंद

जब हम सरल जीवन अपनाते हैं, कम वस्तुओं का उपभोग, स्थायी और स्थानीय उत्पादों का उपयोग करते हैं, तो हम पर्यावरण पर दबाव कम करते हैं। बड़े पैमाने पर उत्पादन और भोग-विलास ने न केवल प्राकृतिक संसाधनों को खत्म किया है, बल्कि मानसिक असंतोष और प्रतिस्पर्धा की भावना बढ़ाई है। साधारण जीवनशैली अपनाने से हम संसाधनों का सम्मान करते हुए संतुलन बनाए रख सकते हैं। इसके अलावा, साधारणता का अर्थ सामाजिक समानता को भी बढ़ावा देना हो सकता है। जब हम दिखावे के बजाय गुणवत्ता और संबंधों को महत्त्व दें, तो समाज में दिखावे के कारण बनने वाले विभाजन कम होते हैं।

(अविनाश जोशी)

साधारणता में ही जीवन का असली सौंदर्य और शांति छिपी है। बनावटी चमक-दमक से दूर, सादा जीवन और प्रामाणिक रिश्ते हमें मानसिक स्पष्टता, आत्मसंतोष तथा प्रकृति के साथ बेहतर संतुलन प्रदान करते हैं।

हम अक्सर सुंदरता की परिभाषा बड़ी चीजों, असाधारण चिह्नों और भव्य दृश्यों से जोड़ लेते हैं। चमकीली रोशनी से सजी इमारतें, महंगे पोशाक-परिधान और सोशल मीडिया पर खूब प्रचारित होने वाली तस्वीरें- ये सभी मन में सुंदरता का एक विशेष और ऊंचा मानक स्थापित कर देते हैं। मगर हम ध्यान से देखें तो जीवन की सबसे ठोस, स्थायी और दिल को छू लेने वाली सुंदरता अक्सर साधारण, सामान्य और रोजमर्रा की चीजों में छिपी होती है। साधारण के भीतर छिपा यह सौंदर्य न सिर्फ दिखता है, बल्कि महसूस भी होता है। यह हमें ज्यों का त्यों रहने और सरलता में आनंद लेने की प्रेरणा देता है।यह समझना जरूरी है कि 'साधारण' का अर्थ दुर्बल या निम्न नहीं होता। साधारण का तात्पर्य है सरलता, अप्रतिष्ठा और स्वाभाविकता- ऐसी चीजें जो बेझिझक, बिना सजावट के और वास्तविक रूप में मौजूद रहती हैं। एक खेत में खड़ी सरसों की पीली लहर, आम के बाग में मौसम का मीठा फल या एक बरसाती सड़क पर चलती साइकिल- ये तमाम दृश्य किसी भी समय हमें सहजता से आनंद दे सकते हैं। इनके सामने चमक-दमक की आभा अस्थायी और सतही लगती है, क्योंकि साधारण चीजों का आकर्षण सच्चाई और अनुराग से जुड़ा होता है, न कि दिखावे से।

साधारणता की सुंदरता का एक बड़ा कारण उसकी प्रामाणिकता है। जब कोई वस्तु या अनुभव सजावट, दिखावे या बनावटीपन से मुक्त होता है, तब वह अपनी असली पहचान प्रकट करता है। प्रामाणिकता का अर्थ है कि चीजें जैसे हैं, वैसी ही स्वीकार की जाएं। यह स्वीकार्यता हमें गहरा संतोष देती है। साधारण रिश्ते, जो दिखावे के बजाय समझदारी, भरोसे और साधारण सहायक भावों पर टिकी हों, वे अक्सर सबसे मजबूत व टिकाऊ होते हैं। हर सफल दोस्ती या पारिवारिक संबंध के पीछे रोजमर्रा की छोटी-छोटी परवाह व साझा किए गए अनुभव होते हैं, जो दिखने में साधारण पर व्यवहार में गहरे होते हैं।

सदियों से भारतीय संस्कृति में साधारणता की महत्ता

पर जोर दिया गया है। हमारे ऋषि-मुनि, संत और साधु साधारण जीवन को अहम मानते रहे हैं, क्योंकि वे जानते थे कि कम चीजों के साथ जीना मन के लिए शांति का मार्ग खोलता है। अधिक की लालसा मन को बेचैन कर देती है, जबकि साधारणता में संतोष और आत्मसंतुष्टि होती है। लोक जीवन की कला, हस्तशिल्प और ग्रामीण संस्कृति में भी यही सौंदर्य निहित है। हाथों से बनी मिट्टी के बर्तन, बुनकरों के कपड़े, गांव की सादगी- ये सब हमें अपनी जड़ों से जोड़ते हैं और अस्तित्व के अर्थ की याद दिलाते हैं।

जब हम सरल जीवन अपनाते हैं, कम वस्तुओं का उपभोग, स्थायी और स्थानीय उत्पादों का उपयोग करते हैं, तो हम पर्यावरण पर दबाव कम करते हैं। बड़े पैमाने पर उत्पादन और भोग-विलास ने न केवल प्राकृतिक संसाधनों को खत्म किया है, बल्कि मानसिक असंतोष और प्रतिस्पर्धा की भावना बढ़ाई है। साधारण जीवनशैली अपनाने से हम संसाधनों का सम्मान करते हुए संतुलन बनाए रख सकते हैं। इसके अलावा, साधारणता का अर्थ सामाजिक समानता को भी बढ़ावा देना हो सकता है। जब हम दिखावे के बजाय गुणवत्ता और संबंधों को महत्त्व दें, तो समाज में दिखावे के कारण बनने वाले विभाजन कम होते हैं।

व्यक्तिगत जीवन में साधारणता अपनाने का अर्थ केवल भौतिक वस्तुओं की कटौती नहीं है, बल्कि मानसिक सरलीकरण भी है। आज हम अनेक अपेक्षाओं, योजनाओं व तनावों से घिरे रहते हैं। साधारण जीवन का अभ्यास दिनचर्या में छोटे-छोटे बदलाव, अनावश्यक शोर को कम करना, प्राथमिकताओं का फिर से मूल्यांकन हमें मन की स्पष्टता देता है। सुबह की थोड़ी सैर, मोबाइल का समय सीमित करना और भोजन के समय पूरी तरह उपस्थित रहना- ये कदम भी जीवन की गुणवत्ता बदल देते हैं। जब मन शांत होता है, तब हम आसपास की साधारण सुंदरताओं को भी अधिक गहराई से देख पाते हैं।

फिर भी, साधारणता का अर्थ आत्म-परित्याग नहीं है। यह तर्कसंगत ढंग से चुनने और उन चीजों को बनाए रखने का तरीका है, जो खुशी और अर्थ देती हैं। हर दिन कुछ मिनट निकालकर उन चीजों के लिए धन्यवाद करना, जैसे निरोग होना, परिवार की हंसी और प्रकृति की उपस्थिति हमें यह याद दिलाती है कि जीवन की असल खुशियां दिखावे से नहीं, बल्कि अनुभवों और रिश्तों से आती हैं। आभार का अभ्यास दृष्टिकोण को बदल देता है। वही दिन, जो पहले बेमायने थे, साधारणता की दृष्टि से समृद्ध और सुंदर लगने लगता है। हमारे समाज में आधुनिकता और पारंपरिकता के बीच एक संतुलन बनाना आवश्यक है। आधुनिक सुविधाएं और विज्ञान हमारी जिंदगी को सरल और सुविधाजनक बना सकते हैं, मगर उन सुविधाओं का उपयोग तभी सार्थक है, जब हम उन्हें साधारण जीवन के सिद्धांतों के साथ जोड़ते हैं।

तकनीक और साधारणता विरोधी नहीं हैं। वे मिलकर बेहतर जीवन का आधार बन सकते हैं। 'जो साधारण है वही सुंदर है' - यह विचार हमें एक गहरी मानवीय सच्चाई की ओर ले जाता है कि वास्तविक खुशी और सुंदरता बाहरी दिखावे में नहीं, बल्कि अंदरूनी शांति, ईमानदारी और संबंधों की सरलता में है। साधारण होना हमें जीवन की असली परतों से जुड़ने का अवसर देता है। रिश्तों की गर्माहट, प्रकृति की सहजता, और स्वयं के प्रति सच्चाई। जब हम साधारण को अपनाते हैं, तब हमारे देखने का ढंग बदल जाता है। छोटे-छोटे पल भी उत्सव बन जाते हैं और जीवन का हर क्षण पूर्णता से भरपूर दिखता है। यही साधारणता की परम स्वतःस्फूर्त सुंदरता है- स्थायी, सहज और सबके लिए सुलभ।

कमिश्नर डोमन सिंह ने भोपालपट्टनम में कार्यालयीन व्यवस्थाओं का लिया जायजा

स्ट्रांग रूम की तर्ज पर सुरक्षित होगा तहसील का रिकॉर्ड रूम

बीजापुर/मूक पत्रिका

आशीष पदमवार। बस्तर संभागायुक्त डोमन सिंह शनिवार को भोपालपट्टनम पहुंचे। उन्होंने एसडीएम, तहसील, जनपद पंचायत, शिक्षा और महिला एवं बाल विकास विभाग के कार्यालयों का निरीक्षण किया। इस दौरान कार्यालयीन कामकाज, रिकॉर्ड और राजस्व प्रकरणों की स्थिति देखी। कमिश्नर ने अधिकारियों को आम लोगों से जुड़े मामलों को प्राथमिकता देते हुए तय समय में निराकरण करने के निर्देश दिए।

रिकॉर्ड की सुरक्षा पर फोकस-तहसील के रिकॉर्ड रूम का निरीक्षण करते हुए कमिश्नर ने अभिलेखों को व्यवस्थित और सुरक्षित रखने के निर्देश दिए। उन्होंने रिकॉर्ड रूम को निर्वाचन के स्ट्रांग रूम की तर्ज पर सुरक्षित बनाने पर जोर दिया, ताकि भू-स्वामियों के रिकॉर्ड और महत्वपूर्ण दस्तावेज सुरक्षित रह सकें। प्रस्तावित भू-अर्जन क्षेत्र में नियम के अनुसार भूमि की खरीदी-बिक्री पर प्रतिबंध की कार्रवाई करने को कहा। जिन भू-अर्जन मामलों में अवार्ड पारित हो चुके हैं, उनमें राजस्व रिकॉर्ड में जरूरी दुरुस्तीकरण समय पर करने के निर्देश दिए। राजस्व पुस्तक परिपत्र 6-4 के मामलों को संवेदनशीलता के साथ जल्द निपटाने और पात्र परिवारों को आर्थिक सहायता देने को कहा।

स्कूलों की व्यवस्थाएं भी देखीं-जनपद पंचायत में ई-ऑफिस के कामकाज की समीक्षा की गई। खंड शिक्षा अधिकारी और बीआरसी कार्यालय में पंजियों और दस्तावेजों का निरीक्षण किया। कमिश्नर ने सभी रिकॉर्ड अपडेट रखने के निर्देश दिए। उन्होंने बच्चों को मिलने वाली निःशुल्क किताबें, गणवेश, मध्यान्ह भोजन और न्यौता भोज की जानकारी ली। महिला एवं बाल विकास कार्यालय में बच्चों और माताओं को योजनाओं का लाभ समय पर देने के निर्देश दिए। कमिश्नर ने अधिकारियों-कर्मचारियों को कार्यालयीन कामकाज में पारदर्शिता, जवाबदेही और समयबद्धता बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शासन की योजनाओं का लाभ लोगों तक पहुंचाने के साथ बेहतर लोक सेवाएं उपलब्ध कराना प्राथमिकता होनी चाहिए। निरीक्षण के दौरान एसडीएम बीजापुर जागेश्वर कोशल, एसडीएम भोपालपट्टनम यशवंत नाग सहित जनपद सीईओ, तहसीलदार और अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

विद्यार्थियों को छाता वितरण लायंस क्लब चांपा की सराहनीय पहल

चांपा। लायंस क्लब चांपा के सामान्य सभा एवं संचालक मंडल की बैठक में प्रस्तावित विषय पर निर्णय पारित करने हुवे कदंब चौक चांपा स्थित तिलकराम बुन्दराम देवांगन शासकीय माध्यमिक शाला में कक्षा पहली से आठवीं तक अध्ययनरत विद्यार्थियों को मानसून में होने वाले बारिश से बचाव हेतु छाता का वितरण किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के जनभागीदार समिति के अध्यक्ष कृष्ण कुमार देवांगन एवं प्राचार्य राजेंद्र जायसवाल एवं शिक्षकों ने लायन सदस्यों का विद्यालय पहुंचने पर स्वागत किया।

सर्व प्रथम लायंस क्लब के अध्यक्ष एमजेएफ लायन संतोष कुमार सोनी अधिवक्ता के साथ सभी सदस्यों ने मां सरस्वती की पूजा अर्चना कर कार्यक्रम की शुरुवात की । स्वागत भाषण कृष्ण कुमार देवांगन द्वारा किया गया पश्चात पूर्व प्रांतपाल लायन डॉ व्ही के अग्रवाल ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुवे उन्हें मेहनत एवं लगन के साथ पढ़ाई करते हुवे आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया । लायंस क्लब के अध्यक्ष एमजेएफ लायन संतोष कुमार सोनी अधिवक्ता ने अपने उद्बोधन में सभी को लायंस क्लब चांपा का संक्षिप्त परिचय देते हुवे बताया कि चांपा शहर में लायंस क्लब पिछले 65 वर्षो से अपनी सेवा जरूरत मंदो को देते आ रहा है, लायंस क्लब द्वारा स्थाई गतिविधि के रूप में लायंस इंग्लिश हायर सेकंडरी स्कूल संचालित है जिसमें 1500 विद्यार्थि अध्ययनरत है। लायंस क्लब के द्वारा सेवा कार्य निरंतर किया जाता है। उन्होंने विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य की कामना की तथा विद्यालय परिवार के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित किया। अवसर पर लायंस क्लब से लायन विनोद कुमार अग्रवाल, लायन बैजनाथ देवांगन, एमजेएफ लायन डॉ संतोष कुमार अग्रवाल डिस्ट्रिक्ट चेयरपर्सन, लायन राजेश अग्रवाल कोषाध्यक्ष, लायन वासुदेव चंद देवांगन सचिव, लायन रामप्रपन्न देवांगन चेयरमैन लायंस एजुकेशनल सोसायटी, लायन डॉ के पी राठौर वाइस चेयरमैन, लायन डॉ वाई के शर्मा, लायन नारायण सोनी, लायन मोहनलाल गुलाबानी, लायन एम के पारीक, लायन नेहरू देवांगन, लायन खूबचंद देवांगन उपस्थित थे जिनके सहयोग से कार्यक्रम सफलता पूर्वक संपन्न हुआ।

'बस्तर मुन्ने' में शत-प्रतिशत सैचुरेशन करें : कमिश्नर

बीजापुर/मूक पत्रिका

आशीष पदमवार। बस्तर संभाग कमिश्नर डोमन सिंह ने शनिवार को इंद्रावती सभाकक्ष में जिला स्तरीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली। उन्होंने 'बस्तर मुन्ने' के तहत शत-प्रतिशत सैचुरेशन सुनिश्चित करने और सभी पात्र हितग्राहियों की पोर्टल में एंट्री पूरी करने के निर्देश दिए। कमिश्नर ने राशन कार्ड, आयुष्मान कार्ड, जाति प्रमाण पत्र, बीवीजी रामजी कार्ड, श्रम कार्ड और प्रधानमंत्री आवास सहित चिन्हित 31 सेवाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाने को कहा।

राजस्व मामलों में तेजी-मुख्यमंत्री हेल्पलाइन की शिकायतों का समयबद्ध निराकरण करने के साथ राजस्व न्यायालयों में लंबित प्रकरणों को जल्द निपटाने के निर्देश दिए।

जाति-निवास प्रमाण पत्र, वनाधिकार पत्र, फौती नामांतरण और अतिक्रमण से जुड़े मामलों में भी तेजी लाने को कहा। कलेक्टर विश्वदीप ने जिले में चल रहे विकास कार्यो की प्रगति का प्रस्तुतिकरण दिया। बैठक में जिला पंचायत सीईओ नम्रता चौबे, संयुक्त कलेक्टर जागेश्वर कौशल सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

सेवा सुरक्षा मुद्दे पर बारिश के बीच बेमेतरा के विकासखंडों में शिक्षक साझा मंच ने रैली के जरिए मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

रायपुर/मूक पत्रिका

शिक्षक साझा मंच के आह्वान पर आज 22 अगस्त को शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) की अनिवार्यता, सेवा सुरक्षा, वरिष्ठता एवं अन्य शिक्षक समस्याओं को लेकर बेमेतरा के विकासखंडों में एक साथ रैली, धरना एवं ज्ञापन कार्यक्रम आयोजित किया गया। शिक्षकों ने विकासखंड स्तर पर रैली निकालकर मुख्यमंत्री एवं शिक्षा मंत्री के नाम ज्ञापन सौंपते हुए अपनी मांगों के शीघ्र निराकरण की मांग की जिलों में शिक्षकों ने बड़ी संख्या में रैली निकालकर अपनी एकजुटता का प्रदर्शन किया। वहीं बेरला क्षेत्र में बाइक रैली के माध्यम से शिक्षकों ने अपनी मांगों को बुलंद आवाज दी। कई विकासखंडों में बारिश के बीच भी शिक्षक रैली में डटे रहे और खराब मौसम उनके उत्साह को कम नहीं कर सका। रैली के दौरान शिक्षकों ने टीईटी की अनिवार्यता से प्रभावित शिक्षकों को सेवा सुरक्षा देने, वरिष्ठता के आधार पर पदोन्नति, वेतन विसंगति दूर करने तथा पूर्व सेवा की गणना सहित विभिन्न मांगों को लेकर जोरदार नारे लगाए और शासन का ध्यान आकृष्ट कराया। मोहम्मद यासीर इरफ़न प्रदेश प्रवक्ता सर्व शिक्षक संघ का कहना है कि ÷ सेवारत शिक्षकों के लिए ञ्ञश्वञ्ञ आवश्यक है, तो सरकार उन्हें परीक्षा में शामिल होने का अवसर भी उपलब्ध कराए। ÷जब सरकार स्वयं ञ्ञश्वञ्ञ परीक्षा आयोजित नहीं करेगी, तो आखिर सेवारत शिक्षक यह पात्रता कैसे प्राप्त करेंगे?÷ यह सवाल आज प्रदेश के हजारों शिक्षकों के मन में है।÷बसंत कौशिक ने कहा कि ÷शिक्षकों का यह आंदोलन किसी व्यवस्था को बाधित करने के लिए नहीं, बल्कि व्यवस्था को न्यायपूर्ण बनाने और शिक्षकों के भविष्य को सुरक्षित करने के लिए है।÷ कौशल अवस्थी ने शासन से मांग की है कि ÷शिक्षकों का सेवा सुरक्षा और पदोन्नति की समस्याओं पर गंभीरता से विचार करते हुए शीघ्र वरिष्ठ शिक्षकों को अगस्त 2028 तक टेट पास करने का समय देकर पदोन्नति करने का सकारात्मक निर्णय ले।÷ शिक्षक साझा मंच ने स्पष्ट किया कि सेवा सुरक्षा, वरिष्ठता और शिक्षक हितों से जुड़े मुद्दों के समाधान तक संघर्ष लोकतांत्रिक एवं शांतिपूर्ण तरीके से जारी रहेगा।

रात में सड़क हादसे रोकने नई पहल, भारत माता चौक से हार्डी बायपास तक लगाए गए रिफ्लेक्टर टेप..

सारंगढ़-बिलाईगढ/मूक पत्रिका

रात के समय सड़क पर तीखे मोड़, डिवाइडर, पुल-पुलिया और बिना लाइट वाले भारी वाहन कई बार हादसे का कारण बन जाते हैं। इसे देखते हुए सारंगढ़-बिलाईगढ़ यातायात पुलिस ने सड़क सुरक्षा को लेकर एक विशेष पहल शुरू की है। यातायात पुलिस ने भारत माता चौक से हार्डी बायपास तक सड़क के संवेदनशील स्थानों पर रिफ्लेक्टर टेप लगाए। इस दौरान सड़क किनारे मौजूद ब्लैक स्पॉट, तीखे मोड़, डिवाइडर, पुल-पुलियों के किनारे और बिना जलती लाइटों वाले भारी वाहनों पर रिफ्लेक्टर टेप लगाया गया। इसका उद्देश्य रात में वाहन चालकों को सड़क की स्थिति और सामने मौजूद अवरोध दूर से ही दिखाई देना है।

दूर से दिखाई देंगे सड़क के खतरनाक हिस्से-रिफ्लेक्टर टेप पर वाहन की लाइट पड़ते ही वह चमकने लगता है। इससे अंधेरे में सड़क के मोड़, डिवाइडर और पुल-पुलियों के किनारे आसानी से नजर आ सकेंगे। वाहन चालकों को खतरे का अंदाजा पहले ही लग जाएगा और वे समय रहते अपनी गति कम कर सकेंगे।यातायात पुलिस का मानना है कि इस तरह की छोटी लेकिन जरूरी सावधानियां रात के समय होने वाली सड़क दुर्घटनाओं को कम करने में काफी मददगार साबित हो सकती हैं।

वाहन चालकों को भी दी गई समझाइश-अभियान के दौरान यातायात पुलिस ने वाहन चालकों और आसपास के लोगों को रिफ्लेक्टर टेप के महत्व की जानकारी दी। साथ ही सुरक्षित वाहन चलाने और यातायात नियमों का पालन करने की समझाइश भी दी गई। पुलिस ने वाहन चालकों से खास तौर पर अपील की है कि रात में वाहन चलाते समय निर्धारित गति सीमा का पालन करें, आगे चल रहे वाहन से पर्याप्त दूरी रखें और नशे की हालत में वाहन बिल्कुल न चलाएं। सड़क पर लगे रिफ्लेक्टर और यातायात संकेतों पर भी विशेष ध्यान देने की बात कही गई। यातायात पुलिस के अनुसार सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम और लोगों के सुरक्षित सफर के लिए इस तरह के जागरूकता और सुधारात्मक अभियान आगे भी लगातार जारी रहेंगे।

तीन साल की सेवा के बाद देवराम यादव की हुई विदाई, मुस्कान और सहज व्यवहार से जीता दिल, अब महासमुंद में संभालेंगे नई जिम्मेदारी..

सारंगढ़-बिलाईगढ/मूक पत्रिका

किसी अधिकारी की पहचान सिर्फ उसके पद और सरकारी काम से नहीं होती, बल्कि लोगों के साथ उसके व्यवहार और बनाए गए रिश्तों से भी होती है। सारंगढ़-बिलाईगढ़ में करीब तीन साल तक सहायक जनसम्पर्क अधिकारी के रूप में काम करने वाले देवराम यादव ने अपनी कार्यशैली और सहज व्यवहार से प्रशासन, मीडिया और आम लोगों के बीच अलग पहचान बनाई। अब उनका स्थानांतरण महासमुंद हो गया है, जहां वे नई जिम्मेदारी संभालेंगे।

19 अगस्त को जारी हुआ तबादला आदेश-19 अगस्त को शासन की ओर से 22 जनसम्पर्क अधिकारियों के स्थानांतरण की सूची जारी की गई। इसमें सारंगढ़-बिलाईगढ़ के सहायक जनसम्पर्क अधिकारी देवराम यादव का नाम भी शामिल रहा। स्थानांतरण के बाद अब वे महासमुंद में अपनी सेवाएं देंगे।सरकारी नौकरी में तबादला सामान्य प्रक्रिया है, लेकिन यादव के लिए सारंगढ़-बिलाईगढ़ छोड़ना कुछ भावुक पल भी लेकर आया। करीब तीन साल के दौरान उन्होंने जिले के प्रशासनिक कामकाज और मीडिया के बीच बेहतर तालमेल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

चार कलेक्टरों के साथ किया काम-सारंगढ़-बिलाईगढ़ में अपने कार्यकाल के दौरान देवराम यादव ने करीब चार कलेक्टरों के साथ काम किया। इस दौरान शासन की योजनाओं, प्रशासनिक गतिविधियों और जिले से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियों को समय पर मीडिया तक पहुंचाना उनकी जिम्मेदारी रही। प्रेस नोट तैयार करने से लेकर मीडिया तक सूचना पहुंचाने और खबरों से जुड़े तथ्यों को स्पष्ट करने में उनकी सक्रियता देखने को मिली। पत्रकारों से संवाद में भी उनका व्यवहार सहज रहा। काम के साथ रिश्तों को भी दी अहमियत-यादव की पहचान केवल जनसम्पर्क विभाग के अधिकारी के तौर पर नहीं रही। स्थानीय पत्रकारों के साथ उनके अच्छे संबंध रहे। पत्रकारों की जरूरतों को समझना, सूचना उपलब्ध कराने में सहयोग करना और बातचीत के जरिए समस्याओं का समाधान करने की कोशिश करना उनकी कार्यशैली का हिस्सा रहा।यही वजह है कि उनके स्थानांतरण की खबर के बाद स्थानीय मीडिया जगत में भी उन्हें लेकर आत्मीयता देखने को मिली। कई लोगों के लिए यह सिर्फ एक अधिकारी का तबादला नहीं, बल्कि तीन साल से बने एक अच्छे संबंध से विदाई जैसा रहा।

सहज व्यवहार ने बनाई अलग पहचान-सरकारी कामकाज के बीच भी देवराम यादव का शांत और सहज व्यवहार लोगों को पसंद आया। व्यस्तता के बावजूद बातचीत में सरलता और चेहरे पर मुस्कान उनकी पहचान बनी रही। प्रशासन और मीडिया के बीच समन्वय बनाते हुए उन्होंने अपने दायित्व को गंभीरता से निभाया। सारंगढ़-बिलाईगढ़ में उनका जुड़ाव सिर्फ कार्यालय तक सीमित नहीं रहा। सामाजिक और सार्वजनिक गतिविधियों में भी उनकी सक्रियता और लोगों से सहज मेलजोल देखने को मिला।

महासमुंद जिले में मिली नई जिम्मेदारी-अब देवराम यादव महासमुंद में सहायक जनसम्पर्क अधिकारी के रूप में अपनी नई पारी शुरू करेंगे। सारंगढ़-बिलाईगढ़ में काम करने का उनका अनुभव नई जिम्मेदारी में भी उनके लिए उपयोगी साबित होगा। सारंगढ़-बिलाईगढ़ से विदाई के दौरान उनके साथ काम करने वाले अधिकारियों, पत्रकारों और शुभचिंतकों की ओर से उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दी जा रही हैं। तीन साल के कार्यकाल में उन्होंने जो रिश्ते बनाए, वही उनकी सबसे बड़ी पहचान बनकर यहां पीछे रह गए हैं।

तत्काल दूसरे स्कूल भेजे गए सहायक शिक्षक..

महाराजपुर स्कूल में शिक्षक के खिलाफ बच्चों और पालकों का प्रदर्शन

सारंगढ़-बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

सरिया क्षेत्र के शासकीय प्राथमिक शाला महाराजपुर में एक सहायक शिक्षक के कथित दुर्व्यवहार और कार्यशैली को लेकर बच्चों व पालकों का विरोध सामने आया। शनिवार सुबह छात्र-छात्राएं और ग्रामीण स्कूल के बाहर धरने पर बैठ गए और शिक्षक को स्कूल से हटाने की मांग करने लगे। बच्चों ने शिक्षक पर निजी काम करवाने, मारपीट और दुर्व्यवहार करने सहित कई आरोप लगाए। मामले की जानकारी शिक्षा विभाग के अधिकारियों तक पहुंचने के बाद शिक्षक को तत्काल दूसरे स्कूल में भेजने की व्यवस्था की गई, जिसके बाद मामला शांत हुआ।

स्कूल का ताला खोलने से किया इनकार-मामला संकुल केंद्र सरिया के अंतर्गत आने वाले शासकीय प्राथमिक शाला महाराजपुर का है। शनिवार सुबह जब प्रधान पाठक महेंद्र सिदार स्कूल पहुंचे तो स्कूल के बाहर बच्चे और ग्रामीण मौजूद थे। बच्चों ने स्कूल का ताला खोलने से इनकार करते हुए कहा कि जब तक संबंधित शिक्षक को यहां से नहीं हटाया जाता, वे स्कूल नहीं आएंगे। स्थिति को देखते हुए प्रधान पाठक ने संकुल प्रभारी को इसकी जानकारी दी। कुछ ही देर में संकुल प्रभारी पुरुषोत्तम चौधरी मौके पर पहुंचे और बच्चों व पालकों से बातचीत कर मामले की जानकारी ली।

बच्चों ने लगाए कई गंभीर आरोप-बच्चों और पालकों की ओर से सहायक शिक्षक मोहन लाल पटेल के खिलाफ कई शिकायतें सामने आई। आरोप लगाया गया कि शिक्षक बच्चों से पढ़ाई के अलावा निजी काम करवाते हैं। बच्चों से चाय बनवाने, खेत से मक्का और नींबू लाने जैसे काम करवाने की बात भी कही गई। इसके अलावा बच्चों ने आरोप लगाया कि होमवर्क पूरा नहीं करने या शिक्षक द्वारा दिए गए काम को नहीं करने पर उनके साथ मारपीट और दुर्व्यवहार किया जाता है। बच्चों का यह भी कहना था कि उन्हें बिना समझाए होमवर्क दिया जाता है और काम पूरा नहीं करने पर डांट-फटकार के साथ मारपीट की जाती है। ग्रामीणों ने शिक्षक मोहन लाल पटेल पर स्कूल में सोने और अपने बच्चे के निजी स्कूल का होमवर्क भी सरकारी स्कूल के बच्चों से करवाने जैसे आरोप लगाए हैं। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है।

प्रधान पाठक ने पहले भी समझाइश देने की बात कही-प्रधान पाठक महेंद्र सिदार ने बताया कि बच्चों ने पहले भी शिक्षक के व्यवहार को लेकर शिकायत की थी। उनके मुताबिक उन्होंने शिक्षक को मौखिक रूप से बच्चों के साथ मारपीट नहीं करने और उन्हें समझाकर पढ़ाने की सलाह दी थी। उन्होंने मामले की जानकारी स्कूल प्रबंधन समिति और उच्च अधिकारियों को भी देने की बात कही। प्रधान पाठक के अनुसार, शनिवार को जब बच्चे स्कूल के बाहर ताला बंद कर बैठ गए तो उन्होंने तत्काल संकुल प्रभारी को सूचना दी, जिसके बाद अधिकारी मौके पर पहुंचे।

सरपंच ने भी पहले शिकायत मिलने की बात कही-ग्राम पंचायत के सरपंच अजीत सिदार ने बताया कि संबंधित शिक्षक के खिलाफ पहले भी दो-तीन बार शिकायतें मिल चुकी थीं। उनका कहना है कि बच्चों और पालकों की शिकायत के बाद शिक्षक को हटाने की मांग की गई, क्योंकि ग्रामीण बच्चों की सुरक्षा और पढ़ाई को लेकर चिंतित थे।

शिक्षा विभाग ने लिया तत्काल फैसला-मौके पर पहुंचे संकुल प्रभारी पुरुषोत्तम चौधरी ने बच्चों और पालकों की शिकायत की जानकारी विकासखंड शिक्षा अधिकारी बरमकेला मुकेश कुर्रे को दी। शिकायत की गंभीरता को देखते हुए बीईओ ने संबंधित सहायक शिक्षक मोहन लाल पटेल को तत्काल महाराजपुर स्कूल से हटाकर अन्य स्कूल में व्यवस्था करने के निर्देश दिए। इसके बाद शिक्षक को अन्य स्कूल भेजने की कार्रवाई कर दी गई, जिससे स्कूल में बना विवाद शांत हुआ और बच्चों की पढ़ाई दोबारा शुरू होने का रास्ता साफ हुआ।

ग्रामीणों ने की निष्पक्ष जांच की मांग-मामले के बाद ग्रामीणों ने शिक्षा विभाग से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने और यदि शिकायतें सही पाई जाती हैं तो नियमानुसार कार्रवाई करने की मांग की है। वहीं, घटना ने सरकारी स्कूलों में बच्चों के साथ शिक्षक के व्यवहार और पढ़ाई के माहौल को लेकर भी सवाल खड़े किए हैं। फिलहाल शिक्षा विभाग की ओर से शिक्षक को अन्य स्कूल भेजने की कार्रवाई की जा चुकी है। आगे की कार्रवाई जांच के निष्कर्ष के आधार पर होने की उम्मीद है।

सावन में शिवलिंग पर चढ़ाएं ये 3 तेल, सुख-सौभाग्य का मिलेगा वरदान

हिंदू धर्म में सावन का महीना सुख-सौभाग्य का कारक माना जाता है। अगर आप शिवलिंग की पूजा कर रहे हैं भोलेनाथ को कुछ ऐसे तेल हैं, जो चढ़ाने से उत्तम परिणाम मिल सकते हैं। सावन का पवित्र महीना भगवान शिव को समर्पित है। इस दौरान शिव भक्त उनकी कृपा पाने के लिए अनेक प्रकार से पूजा-अर्चना करते हैं। सावन में शिवलिंग पर जल चढ़ाने का विशेष महत्व है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि कुछ विशेष तेलों को शिवलिंग पर अर्पित करने से सुख-सौभाग्य और मनोवांछित फल की प्राप्ति होती है? ऐसे ही 3 तेलों के बारे में विस्तार से जानते हैं, जिन्हें सावन में शिवलिंग पर चढ़ाना अत्यंत शुभ माना जाता है।

शिवलिंग पर चढ़ाएं तिल का तेल

हिंदू धर्म में तिल का तेल अत्यंत पवित्र माना जाता है। इसे विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों और पूजा-पाठ में उपयोग किया जाता है। पौराणिक कथाओं के अनुसार, तिल की उत्पत्ति भगवान विष्णु के शरीर से हुई है, इसलिए इसे अत्यंत शुभ माना जाता है। वहीं, भगवान शिव को तिल और तिल से बनी चीजें अर्पित करना विशेष फलदायी माना गया है। माना जाता है कि सावन के महीने में भगवान शिव धरती पर ही वास करते हैं और अपने भक्तों की मनोकामनाएं पूरी करते हैं। इस दौरान शिवलिंग पर तिल का तेल चढ़ाने से कई प्रकार के रोग, दोष और कष्टों से मुक्ति मिलती है। यह नकारात्मक ऊर्जा को दूर कर सकारात्मकता का संचार करता है।

शिवलिंग पर चढ़ाएं चंदन का तेल

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, चंदन का संबंध चंद्रमा और शुक्र ग्रह से है। चंदन का तेल चढ़ाने से कुंडली में इन ग्रहों की स्थिति मजबूत होती है, जिससे जीवन में सुख-समृद्धि आती है और मानसिक शांति मिलती है। इसलिए आप सावन के महीने में शिवलिंग पर चंदन का तेल चढ़ाने से उत्तम फलों की प्राप्ति हो सकती है।

शिवलिंग पर चढ़ाएं सरसो का तेल

आर्थिक समस्याओं से जूझ रहे लोगों के लिए भी सावन में सरसों का तेल अर्पित करना अत्यंत शुभ फलदायी माना जाता है। धन-धान्य में वृद्धि के लिए यह एक प्रभावी उपाय है। जो लोग कर्ज में डूबे हुए हैं या आर्थिक तंगी का सामना कर रहे हैं, उन्हें नियमित रूप से शिवजी पर सरसों का तेल चढ़ाना चाहिए। इससे धन लाभ के नए मार्ग खुलते हैं और धीरे-धीरे आर्थिक स्थिति सुधरने लगती है। अगर घर में लगातार क्लेश रहता है या परिवार के सदस्यों के बीच सामंजस्य की कमी है, तो सावन में शिवलिंग पर सरसों का तेल चढ़ाने से गृह क्लेश दूर होता है और परिवार में सुख-शांति आती है।

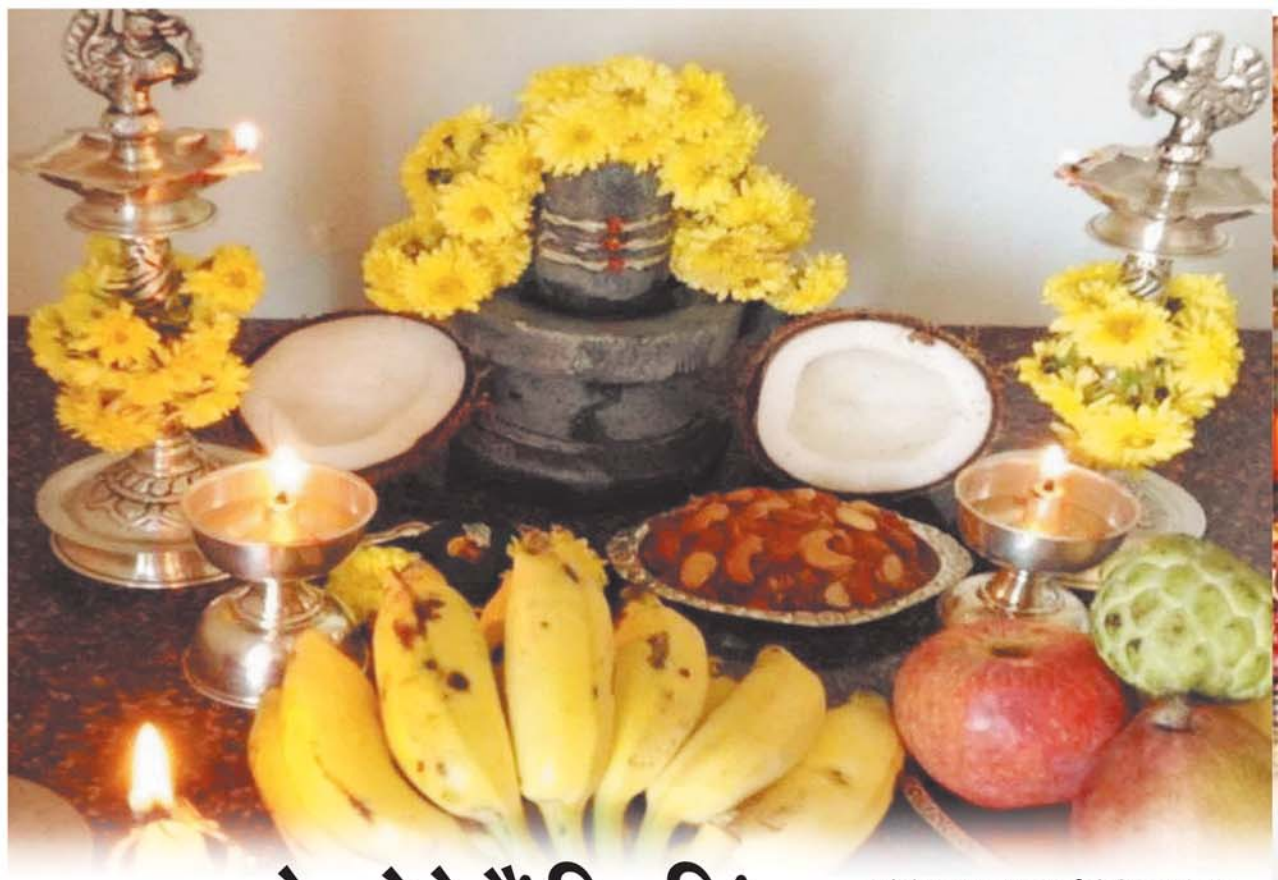

10 तरह के होते हैं शिवलिंग, सबकी अलग तरह से होती है पूजा और मिलता है अलग फल

सावन का महीना भगवान शिव का महीना होता है। इस महीने में भगवान शिव की पूजा अराधना कर उनके भक्त उन्हें प्रसन्न करने की कोशिश करते हैं। इतना ही नहीं बहुत सारे भक्त जब तक सावन का महीना चालता है तब तक वह रोज शिवलिंग की पूजा करते हैं और उस पर बेल पत्र आदि चढ़ाते हैं।

ऐसी मान्यता है कि सावन के पवित्र महीने में भगवान शिव की पूजा, व्रत और शिवलिंग पर जल व बेल पत्र चढ़ाने से भक्तों की मनोकामना पूरी होती है। मगर, क्या आपको पता है कि किस शिवलिंग की पूजा कैसे करनी चाहिए। जी हां, आप सही समझ रही हैं। शिवलिंग के कई प्रकार होते हैं। हर शिवलिंग अलग तरह का फल देता है और उसकी पूजा का तरीका क्या होता है। आपको बता दें कि शिव पुराण में 10 तरह के शिवलिंग बताए गए हैं।

पारद शिवलिंग

अगर आप सावन के महीने में रद्राभिषेक करवाना चाहती हैं तो आपको पारद शिवलिंग का अभिषेक करवाना चाहिए। अगर आप पारद शिवलिंग का रुद्राभिषेक करवाती हैं तो आपके जीवन में हमेशा सुखशांति बनी रहेगी। इतना ही नहीं महिलाएं अगर इस शिवलिंग की पूजा करती हैं तो उनको सौभाग्य प्राप्त होगा। आपको बता दें कि यह शिवलिंग बेहद छोटे होते हैं और आप इन्हें अपने घर, ऑफिस, दुकान में रख सकती हैं। इस शिवलिंग को स्थापित करने से पहले इसकी पूजा जरूर करें।

मिश्री शिवलिंग

चीनी या मिश्री से बने शिवलिंग को मिश्री शिवलिंग कहा जाता है। अगर आपके घर में किसी की तबियत खराब है तो आपको रोजाना मिश्री से बने शिवलिंग की पूजा करनी चाहिए। इससे रोगी का रोग दूर होता है।

जौं और चावल के शिवलिंग

अगर आप चाहती हैं कि आपके घर में समृद्धि आए तो आपको इसके लिए जौं और चावल से बने शिवलिंग की पूजा करनी चाहिए। अगर

आप बहुत समय से संतान के लिए प्रयास कर रही हैं तब भी आपको जौं और चावल से बनें शिवलिंग की पूजा करनी चाहिए।

भस्म शिवलिंग

उज्जैन में बने महाकालेश्वर मंदिर में जो शिवलिंग है उसकी भस्म आरती फेमस है। मगर यज्ञ की भस्म से बनी शिवलिगं की भी पूजा होती है। यह शिवलिंग अधिकतर अघोरी बाबा लोग सिद्धियों को प्राप्त करने के लिए बनाते हैं। घर में भस्म से बने शिवलिंग की पूजा कभी भी नहीं करनी चाहिए।

गुड़ के शिवलिंग

जैसे चीनी के शिवलिंग होते हैं वैसे ही गुड़ और अन्न को मिला कर भी शिवलिंग बनाए जाते हैं। अगर आप चाहती हैं कि आपके घर में कभी अन्न की कमी न हो या आपके खेत में खूब अन्न उपजे तो आपको हमेशा गुड़ और अन्न के बने शिवलिंग की पूजा करनी चाहिए।

फल और फूल के बने शिवलिंग

फल और फूल से भी शिवलिंग बनाए जा सकते हैं। अगर आपको प्रॉपर्टी से जुड़ी कोई समस्या सता रही है तो आपको फल और फूल से बने शिवलिंग की पूजा करनी चाहिए। इससे आपकी प्रॉपर्टी से जुड़ी समस्या दूर हो जाएगी।

सोने या चांदी के शिवलिंग

वैसे ऐसा कम ही देखा गया है कि कोई सोनी या चांदी क बने शिवलिंग पूजा करता हो। मगर आपको अपने घर में वैभव चाहिए तो आपको सोने और चांदी के शिवलिंग की पूजा करनी चाहिए।

मिट्टी के शिवलिंग

अगर आप किसी ऐसे स्थान पर रहती हैं या आपकी कुंडली में किसी विषैले जानवर के काटने का दोष है तो आपको मिट्टी के शिवलिंग की पूजा करनी चाहिए। इससे आप भय मुक्त होंगी।

दही के शिवलिंग

सुनकर आपको आश्चर्य हो रहा होगा मगर दही के शिवलिंग भी बन जाते हैं। इसके लिए दही को कपड़े में बांध कर आपको रखना होगा और फिर उसके शिवलिंग बनाने होंगे इससे आपको धन की प्राप्ति होगी।

लहसुनिया शिवलिंग

अगर आपका कोई शत्रु है और वह आपको परेशान कर रहा है तो उसे नष्ट करने के लिए आप लहसुनिया शिवलिंग की पूजा करनी चाहिए। इससे आपकी सारी मनोकामना पूरी होती हैं।

पुत्रदा एकादशी पर चावल खाने से लेकर तुलसी तोड़ने तक, ये 5 काम हैं सख्त मना!

हिंदू धर्म में एकादशी तिथि का विशेष महत्व है. सावन मास के शुक्ल पक्ष में पड़ने वाली एकादशी को पुत्रदा एकादशी कहा जाता है. शास्त्रों में व्रत के दौरान कुछ जरूरी नियमों का पालन करने की सलाह भी दी गई है.

हिंदू धर्म में एकादशी तिथि का विशेष महत्व माना जाता है. साल में आने वाली 24 एकादशियों में से पुत्रदा एकादशी भी महत्वपूर्ण मानी जाती है.सावन महीने के शुक्ल पक्ष में पड़ने वाली एकादशी को सावन पुत्रदा एकादशी कहा जाता है. पंचांग के अनुसार सावन शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि 23 अगस्त 2026 को सुबह 2 बजे शुरू होगी और 24 अगस्त को सुबह 4:18 बजे समाप्त होगी. उदया तिथि के अनुसार पुत्रदा एकादशी का व्रत 23 अगस्त को रखा जाएगा. इस दिन भगवान विष्णु की पूजा करने और व्रत रखने की परंपरा है. धार्मिक मान्यता के अनुसार, एकादशी के दिन कुछ कामों को करने से बचना चाहिए. आइए जानते हैं वे 5 काम कौन से हैं.

पुत्रदा एकादशी पर चावल क्यों नहीं खाते?

एकादशी के दिन चावल खाने की मनाही बताई गई है. धार्मिक मान्यता के अनुसार एकादशी तिथि पर चावल का सेवन नहीं करना चाहिए. यही वजह है कि व्रत रखने वाले लोग तो चावल से पूरी तरह परहेज करते ही हैं, लेकिन जो लोग व्रत नहीं रखते, उन्हें भी इस दिन चावल न खाने की सलाह दी जाती है.

तुलसी के पत्ते न तोड़ें

एकादशी के दिन भगवान विष्णु की पूजा में तुलसी का विशेष महत्व माना जाता है .लेकिन धार्मिक मान्यता के अनुसार एकादशी तिथि पर तुलसी के पत्ते तोड़ने से बचना चाहिए. अगर पूजा के लिए तुलसी की आवश्यकता हो तो एक दिन पहले ही तुलसी के पत्ते तोड़कर रख लें. तुलसी का पौधा भगवान विष्णु को प्रिय माना जाता है, इसलिए एकादशी के दिन तुलसी के प्रति विशेष श्रद्धा रखने की परंपरा है.

बाल और नाखून काटने से बचें

पुत्रदा एकादशी के दिन बाल और नाखून काटना भी वर्जित माना जाता है.धार्मिक मान्यताओं में एकादशी को पूजा-पाठ और आत्मसंयम का दिन माना गया है. इसलिए इस दिन शरीर से जुड़े ऐसे कामों को टालने की परंपरा है. अगर बाल या नाखून काटने की जरूरत हो तो इसे एकादशी से पहले या बाद में किया जा सकता है.

जीव हत्या या किसी जीव को नुकसान न पहुंचाएं

एकादशी के दिन किसी भी जीव को नुकसान पहुंचाना या जीव हत्या करना धार्मिक दृष्टि से गलत माना जाता है. इस दिन अहिंसा का पालन करने और सभी जीवों के प्रति दया भाव रखने की सलाह दी जाती है.

किसी भी तरह की बुराई और गलत काम से बचें

एकादशी के दिन केवल खान-पान के नियमों का ही नहीं, बल्कि व्यवहार और विचारों में भी संयम रखने की बात कही गई है. इसलिए झूठ बोलना, किसी का अपमान करना, विवाद करना, छल-कपट करना या किसी को नुकसान पहुंचाने जैसी गतिविधियों से बचना चाहिए.धार्मिक मान्यता के अनुसार एकादशी व्रत का उद्देश्य केवल भोजन छोड़ना नहीं, बल्कि मन, वाणी और कर्मों पर संयम रखना भी है.

पुत्रदा एकादशी का धार्मिक महत्व

पुत्रदा एकादशी का व्रत भगवान विष्णु को समर्पित माना जाता है. धार्मिक मान्यता के अनुसार इस व्रत को करने से संतान सुख की कामना पूरी होने और परिवार में सुख-समृद्धि आने का आशीर्वाद मिलता है.

पुत्रदा एकादशी कब है? तिथि, पूजा मुहूर्त और महत्व

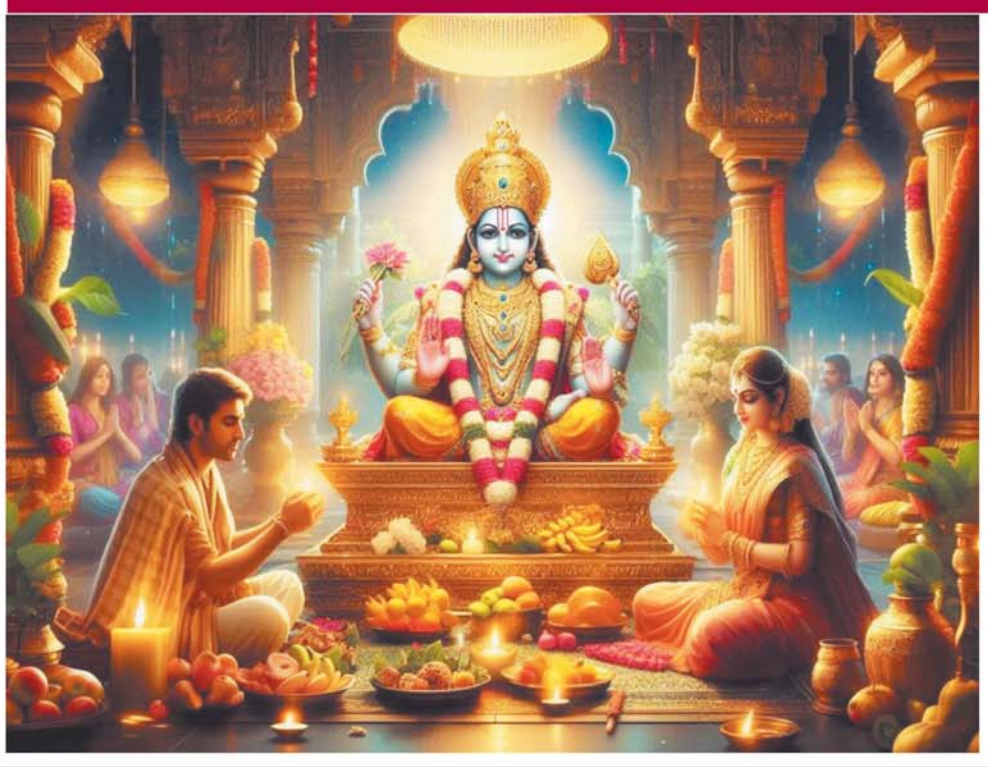

श्रावण पुत्रदा एकादशी भगवान विष्णु को समर्पित महत्वपूर्ण व्रतों में से एक है। इस दिन विधि-विधान से पूजा और व्रत करने से सुख-समृद्धि और संतान सुख की प्राप्ति होती है। आइए जानते हैं इसकी सही तारीख, पूजा का शुभ मुहूर्त और धार्मिक महत्व। श्रावण मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी को श्रावण पुत्रदा एकादशी या पवित्रा एकादशी के नाम से जाना जाता है। हिंदू धर्म में इस एकादशी का विशेष धार्मिक महत्व बताया गया है। मान्यता है कि इस दिन व्रत रखकर भगवान विष्णु की विधि-विधान से पूजा करने से संतान सुख, संतान के उत्तम स्वास्थ्य और परिवार की सुख-समृद्धि की कामना पूरी हो सकती है। इस साल श्रावण पुत्रदा एकादशी का व्रत 23 अगस्त, रविवार को रखा जाएगा। माना जाता है कि इस पवित्र तिथि पर सच्ची श्रद्धा और नियमपूर्वक व्रत-पूजन करने से भगवान श्रीहरि विष्णु की कृपा प्राप्त होती है। साथ ही, परिवार में सुख-शांति बनी रहती है और मन को भी सकारात्मक ऊर्जा मिलती है। आइए जानते हैं इस एकादशी की सही तिथि, पूजा का शुभ मुहूर्त और इसके धार्मिक महत्व के बारे में।

एकादशी तिथि और विष्णु पूजा का शुभ मुहूर्त

पंचांग के अनुसार, श्रावण पुत्रदा एकादशी 23 अगस्त 2026, रविवार को मनाई जाएगी। एकादशी तिथि 23 अगस्त को रात 2:00 बजे से शुरू होकर 24 अगस्त को सुबह 4:18 बजे तक रहेगी। इस दिन भगवान विष्णु की पूजा के लिए शुभ समय सुबह 7:32 बजे से दोपहर 12:24 बजे तक बताया गया है। भक्त इस अवधि में स्नान आदि से निवृत्त होकर भगवान विष्णु की विधि-विधान से पूजा कर सकते हैं। धार्मिक मान्यता है कि एकादशी के दिन श्रद्धापूर्वक श्रीहरि का स्मरण और पूजन करने से मन को शांति मिलती है और परिवार में सकारात्मक वातावरण बना रहता है।

श्रावण पुत्रदा एकादशी का धार्मिक महत्व

श्रावण पुत्रदा एकादशी को संतान सुख और परिवार की खुशहाली के लिए विशेष फलदायी माना जाता है। पौराणिक मान्यता के अनुसार, पद्म पुराण में इस एकादशी से जुड़ी कथा का वर्णन मिलता है। कहा जाता है कि प्राचीन समय में राजा महीजित और राजा सुकेतुमान ने ऋषियों की सलाह पर इस व्रत का पालन किया था। भगवान विष्णु की भक्ति और एकादशी व्रत के प्रभाव से उन्हें योग्य और यशस्वी संतान का सुख प्राप्त हुआ। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस एकादशी का व्रत करने से संतान की उन्नति, सुख-समृद्धि और अच्छे स्वास्थ्य की कामना पूरी होती है। साथ ही, भगवान श्रीहरि विष्णु और माता लक्ष्मी की कृपा प्राप्त होने से घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहती है। ऐसा भी माना जाता है कि श्रद्धा और नियम के साथ इस व्रत का पालन करने से व्यक्ति को अपने पुराने कर्मों के नकारात्मक प्रभाव से मुक्ति मिलती है और जीवन की परेशानियां कम होने लगती हैं।

पुत्रदा एकादशी व्रत की पूजा विधि

- सुबह जल्दी उठकर स्नान करें और स्वच्छ वस्त्र धारण करके व्रत का संकल्प लें।
- घर के पूजा स्थान की अच्छी तरह सफाई करने के बाद एक चौकी पर भगवान विष्णु की प्रतिमा या तस्वीर स्थापित करें।
- भगवान विष्णु के सामने दीपक और धूप जलाएं और उन्हें फूल, माला आदि अर्पित करें।
- पूजा में रोली, कुमकुम, नैवेद्य सहित अपनी श्रद्धा के अनुसार पूजन सामग्री चढ़ाएं।
- भगवान विष्णु को तुलसी दल जरूर अर्पित करें, क्योंकि विष्णु पूजा में तुलसी का विशेष महत्व माना जाता है।
- इसके बाद पुत्रदा एकादशी की व्रत कथा का पाठ या श्रवण करें और भगवान विष्णु के मंत्रों का जाप करें।
- पूजा के अंत में भगवान विष्णु की आरती करें और परिवार की सुख-समृद्धि व संतान के कल्याण की प्रार्थना करें।

बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप

त्रिसा-गायत्री ने दुनिया की नंबर 4 चीनी जोड़ी को हराया, महिला डबल्स में मेडल पक्का

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की महिला डबल्स जोड़ी त्रिसा जॉली और गायत्री गोपीचंद ने बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप में उलटफेर करते हुए दुनिया की नंबर 4 चीनी जोड़ी जी यिफान और झांग शुक्सियन को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। त्रिसा-गायत्री की जीत ने देश के लिए मेडल पक्का कर दिया है। भारतीय जोड़ी ने एक गेम पीछे रहने के बाद चीनी जोड़ी पर 16-21, 21-15, 21-13 से जीत दर्ज की और महिला डबल्स में बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप मेडल जीतने वाली दूसरी जोड़ी बन गई। इससे पहले महिला डबल्स में 2011 में ज्वाला गुट्टा और अश्विनी पोनप्पा ने कांस्य पदक जीता था। शुरुआत में भारतीय जोड़ी कमजोर दिखी क्योंकि जिया और झांग ने 6-2 की बढ़त बना ली और शुरुआती गेम तक अपनी बढ़त बनाए रखी। त्रिसा और गायत्री ने धीरे-धीरे अपनी आक्रामक रिदम पाई, अपने पावरफुल स्मैश और नेट के दम पर अंतर को 8-9 कर दिया। हालांकि, रिकवरी इतनी नहीं थी कि चीनी खिलाड़ी को 11-8 की बढ़त के साथ ब्रेक में जाने से रोका जा सके और आखिरकार शुरुआती गेम 21-16 से जीत लिया। दूसरे गेम भारतीयों ने अपने विरोधियों को वैसा नियंत्रण नहीं करने दिया, लंबी रैलियों में उनका मुकाबला किया और दबाव में डिफेंड करते हुए इंटरवल पर 11-10 की मामूली

बढ़त हासिल की। वहां से, त्रिसा और गायत्री और ज्यादा आक्रामक हो गईं। उनके क्रॉस-कोर्ट अटैक ने बार-बार चीनी जोड़ी को कोर्ट के पार खींचा, जबकि उनके डिफेंस ने जिया और झांग के दबाव को झेला। इंडियन्स ने 17-14 की बढ़त के साथ शुरुआत की और फिर गेम 21-15 से खत्म करके निर्णायक बना दिया। निर्णायक गेम में 4-4 से बराबरी की शुरुआत के बाद, त्रिसा ने एक जोरदार स्मैश से ब्रेकथ्रू पाया, और भारतीय जोड़ी ने बढ़त बना ली। लगातार सात पॉइंट्स ने मैच का पासा पलट दिया, जिससे वे 4-4 से 9-4 पर आ गए। त्रिसा के अटैक ने चीनी जोड़ी को नुकसान पहुंचाना जारी रखा। भारतीय जोड़ी ने 11-5 की बड़ी बढ़त के साथ इंटरवल में एंट्री की। साइड बदलने के बाद, जिया और झांग ने थोड़ी देर के लिए अपनी चुनौती को फिर से शुरू करने की कोशिश की, लेकिन भारतीय जोड़ी ने लगातार तीन पॉइंट्स जीतकर अपनी लय वापस पा ली। चीनी जोड़ी पर बढ़ते दबाव के साथ, उनके गेम में गलतियां होने लगीं। 18-9 पर, भारतीय बस बराबरी पर थे। झांग के शॉट को आउट दिए जाने के बाद एक समीक्षा से नतीजे में ज्यादा बदलाव नहीं आया। चीनी जोड़ी की दो और गलतियों ने त्रिसा और गायत्री को निर्णायक पाइंट दिला दिए। इस जीत के साथ भारतीय जोड़ी का पदक पक्का हो गया।

श्रीलंका ने कोलंबो टेस्ट के लिए 14 सदस्यीय टीम का किया ऐलान

नई दिल्ली, एजेंसी। श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) ने भारत के खिलाफ रविवार से शुरू हो रहे दूसरे टेस्ट मैच के लिए टीम की घोषणा कर दी है। 14 सदस्यीय टीम में ऑलराउंडर सहन अराचिगे और बल्लेबाज कामिल मिशारा को शामिल किया गया है। पहले टेस्ट के दौरान चोटिल हुए दिनेश चांदीमल दूसरे टेस्ट से बाहर हो गए हैं। उनके रिप्लेसमेंट रहे पासिंदु सोरियाबंदारा को भी टीम से बाहर रखा गया है। दूसरे ओपनर निशान मदुश्का को जगह नहीं मिली, जबकि गेंदबाजी ऑलराउंडर रमेश मेंडिस और तेज गेंदबाज दिलशान मदुश्का भी टीम में जगह नहीं बना सके। अराचिगे को भारत ए के खिलाफ उनके शानदार प्रदर्शन का इनाम मिला है। अराचिगे ने भारत ए के खिलाफ हाल ही में श्रीलंका ए क्रिकेट टीम की कप्तानी की थी और बेहतरीन बल्लेबाजी की थी। अराचिगे ने पहले मैच में 72 और दूसरे मैच में 127 रन की पारी खेली थी। दो अनाधिकारिक मैचों की सीरीज में भारतीय साई सुदर्शन के बाद अराचिगे दूसरे श्रेष्ठ स्कोरर रहे थे। अराचिगे को टेस्ट डेब्यू का इंतजार है। मिशारा लंका प्रीमियर लीग 2026 में शानदार फॉर्म में थे। उन्होंने हाल के सीजन में नौ पारियों में 411 रन बनाए थे। उन्होंने गॉल गैलेंट्स के खिलाफ शतक भी बनाया था। वे मेजर क्लब्स टी20 कॉम्पिटिशन में शानदार फॉर्म में थे और महज 72 गेंदों पर 145 रन की पारी खेली थी। श्रीलंका पहला टेस्ट मैच हार चुकी है। सीरीज बचाने के लिए श्रीलंका को दूसरे टेस्ट में भारत के खिलाफ जीत दर्ज करनी होगी। पहला टेस्ट टीम इंडिया ने 165 रन से जीता था।

श्रीलंका टीमः

लाहिरू उदारा, कामिल मिशारा, पासिंदू सोरियाबंदारा, कामिंडू मेंडिस (उपकप्तान), धनंजय डी सिल्वा (कप्तान), सहन अराचिगे, सोनल दिनुशा, निरोशन डिकवेला, केशरा नुवांथा, प्रभात जयसूर्या, मिलन रत्नायके, लाहिरू कुमारा, असिथा फर्नांडो, विश्वा फर्नांडो।

कोलंबो में भारतीय उच्चायुक्त ने टीम इंडिया और श्रीलंका क्रिकेट टीम की मेजबानी की

कोलंबो, एजेंसी। श्रीलंका में भारत के उच्चायुक्त संतोष झा ने कोलंबो में श्रीलंका क्रिकेट टीम के खिलाफ रविवार से शुरू हो रहे दूसरे टेस्ट मैच से पहले इंडिया हाउस में भारतीय क्रिकेट टीम की मेजबानी की। भारतीय उच्चायुक्त झा ने गुरुवार रात भारतीय क्रिकेट टीम के साथ ही श्रीलंकाई टीम की भी मेजबानी की। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने अपने आधिकारिक एक्स प्लेटफॉर्म से इसकी जानकारी दी है और इसे एक 'यादगार शाम' बताया है। बीसीसीआई ने अपने एक्स में लिखा, 'कोलंबो में एक यादगार शाम। श्रीलंका में इंडिया के उच्चायुक्त संतोष झा ने श्रीलंका के खिलाफ दूसरे टेस्ट से पहले कोलंबो के इंडिया हाउस में भारतीय टीम की मेजबानी की।' झा ने दोनों टीमों की मेजबानी करके खुशी जाहिर की और कार्यक्रम की कुछ झलकियां एक्स पर साझा की। उन्होंने कैप्शन में लिखा, 'टीम इंडिया के साथ चीयर कर रहा हूं। श्रीलंका में चल रहे आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप मैचों के दौरान भारतीय और श्रीलंकाई पुरुष क्रिकेट टीमों की मेजबानी करके खुशी हो रही है। खेल के लिए एक जैसे जुनून से बंधा, क्रिकेट भारत और श्रीलंका के बीच हमेशा रहने वाले रिश्तों को और मजबूत कर रहा है।' भारत ने गाले में पहले टेस्ट में 165 रन की बड़ी जीत के साथ सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है। गाले टेस्ट में भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 462 रन बनाए थे। देवदत्त पडिक्कल ने 167 रन बनाए थे। श्रीलंका पहली पारी में 284 रन पर सिमटकर 178 रनों से पिछड़ी थी। भारतीय टीम दूसरी पारी में 193 रन पर सिमटी और पहली पारी में मिले 178 रन की बढ़त के आधार पर श्रीलंका को जीत के लिए 372 रन का लक्ष्य दिया। श्रीलंका दूसरी पारी में 206 रन पर सिमट गई और 165 रन से मैच हार गई। दूसरी पारी में भारत के लिए मानव सुथार ने 6 विकेट लिए थे।

सिनसिनाटी ओपन

इगा स्वियाटेक सेमीफाइनल में पहुंची

एलेना रयबाकिना इंजरी की वजह से बाहर

सिनसिनाटी, एजेंसी। एलेना रयबाकिना को सिनसिनाटी ओपन क्वार्टर फाइनल मैच से बाएं टखने में चोट के कारण बाहर होना पड़ा। इंजरी की वजह से जहां वह टूर्नामेंट से बाहर हो गईं, वहीं उनकी विपक्षी इगा स्वियाटेक सेमीफाइनल में पहुंच गईं। मैच के दौरान स्वियाटेक 4-1 से आगे थीं और रयबाकिना 40-15 पर सर्व कर रही थीं। उसी समय रयबाकिना के लिए मुश्किल शुरू हुई। रयबाकिना नेट पर एक रैली खत्म नहीं कर सकीं। डब्ल्यूटीए की रिपोर्ट के अनुसार, अगले पॉइंट पर उन्हें अपनी पहली सर्व पर पुश करने में मुश्किल हुई, जो सिर्फ तीन शॉट तक चली, और गेम के बीच में मेडिकल जांच के बाद, रयबाकिना ने कुछ देर बाद मैच खत्म करने का फैसला किया। रायबाकिना ने कहा, 'मुझे अच्छा नहीं लग रहा है, मैं सर्व से पुश भी नहीं कर पा रही थी। चलने में दर्द हो रहा है। एमआरआई के बाद समस्या के बारे में और पता चलेगा।' उन्होंने कहा, 'यह मुझे लंबे समय से परेशान कर रहा था। कनाडा में बहुत सारे मैच खेलने और यहां लगातार दो मैच खेलने के बाद और मैच से पहले ठीक लग रहा था लेकिन बदकिस्मती से एक गलत मूवमेंट, एक लैंडिंग, और समस्या शुरू हो गई।' बुधवार को चौथे राउंड में सारा बेजलेक

सिनसिनाटी ओपन

आर्थर फिल्स ने थियागो अगस्टिन टिरेंटे को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई

सिनसिनाटी, एजेंसी। आर्थर फिल्स ने सिनसिनाटी ओपन के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। फिल्स ने 64 मिनट तक चले मुकाबले में थियागो अगस्टिन टिरेंटे को 6-3, 6-2 से हराया। फिल्स ने इस सीजन के तीसरे एटीपी मास्टर्स 1000 सेमीफाइनल में जगह बनाई है। 22 साल के फिल्स एक सीजन में तीन मास्टर्स 1000 सेमीफाइनल में पहुंचने वाले पहले फ्रांसीसी बन गए। उनसे पहले गाइ फॉरगेट ने 1991 में यह उपलब्धि हासिल की थी। फरवरी में आठ महीने की चोट के बाद वापसी करते हुए फिल्स का शानदार सीजन रहा है। एटीपी जीत/हार इंडेक्स के मुताबिक, इस साल फ्रेंचमैन का टूर-लेवल रिकॉर्ड 30-10 रहा है, जिसमें बार्सिलोना में एक खिताब और मियामी और मैड्रिड में मास्टर्स 1000 इवेंट्स के सेमीफाइनल में पहुंचना शामिल है।

पहले सेट में 4-3 पर एक अहम ब्रेक हासिल करने के बाद, फिल्स ने लगातार जबरदस्त फोरहैंड लगाए, जिससे टिरांटे लगातार बैकफुट पर रहे। एटीपी के मुताबिक, 22 साल के खिलाड़ी ने दूसरे सेट में अर्जेंटीना के खिलाड़ी की सर्विस दो बार तोड़ी और पूरे मैच के दौरान उन्हें कभी भी ब्रेक पॉइंट का सामना नहीं करना पड़ा। अब वह टाइटल मैच में जगह बनाने के लिए फ्लेवियो कोबोली से भिड़ेंगे, दोनों खिलाड़ी अपने करियर में पहली बार मास्टर्स 1000 फाइनल में पहुंचना चाहते हैं।

कोबोली ने घरेलू पसंदीदा टॉमी पॉल के खिलाफ 2-6, 6-3, 6-4 से जीत हासिल की और ओहियो में अपने पहले मास्टर्स 1000 सेमीफाइनल में पहुंच गए। 24 साल के खिलाड़ी अब जून में रोलैंड गैरोस चैंपियनशिप मैच में पहुंचने के बाद अपने पहले सेमीफाइनल की तैयारी करेंगे। वह 2024 और 2025 में जैनिक सिनर के बाद सिनसिनाटी में अंतिम चार में पहुंचने वाले सिर्फ दूसरे इटैलियन खिलाड़ी हैं। पॉल के खिलाफ जीत के साथ, कोबोली ने यह भी पक्का कर लिया कि वह सोमवार को एटीपी रैंकिंग में अपने करियर की नई ऊंचाई पर पहुंचेंगे। वह अभी लाइव रैंकिंग में चार स्थान ऊपर चढ़कर नंबर 6 पर हैं।

जैकब मार्टिन को 22 साल पुराने में पटियाला हाउस कोर्ट ने बरी किया

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व बल्लेबाज जैकब मार्टिन को पटियाला हाउस कोर्ट ने 22 साल पुराने एक मामले में बड़ी राहत दी है। 2004 के इस मामले में कोर्ट ने मार्टिन को सभी आरोपों से बरी कर दिया है। पूर्व क्रिकेटर पर फर्जी यूके आव्रजन स्टाम्प, यात्रा व्यवस्था और वित्तीय लेनदेन से जुड़ा आरोप लगाया गया था, जिसे साबित नहीं किया जा सका। अदालत को वित्तीय लेनदेन या अजवा स्पोर्ट्स क्लब पर उनके स्वामित्व या नियंत्रण से जुड़ा कोई भी ठोस और विश्वसनीय सबूत नहीं मिला। कई गवाह भी इन आरोपों को साबित करने में विफल रहे। मीडिया से बात करते हुए मार्टिन ने बताया कि यह मामला 2004 में उनकी टीम के एक सदस्य द्वारा ब्रिटेन का वीजा समाप्त होने के बाद वहां रुकने और फर्जी आव्रजन स्टाम्प लगवाकर भारत लौटने के बाद शुरू हुआ था। मूल एफआईआर में उनका नाम नहीं था। बाद में उनका नाम मामले में जोड़ दिया गया। घटना के बारे में मार्टिन ने कहा, 2004 में टीम इंग्लैंड खेलने गई थी। जो टीम 2004 में इंग्लैंड गई थी, उसमें से एक लड़के को छोड़कर बाकी सब वापस आ गए। वीजा की वैधता छह महीने की थी, वह छह महीने तक रह सकता था। वह इससे अधिक समय तक रुका रहा। किसी के जरिए उसने वहां फर्जी स्टैंपिंग करवा ली। फर्जी स्टैंपिंग कराने के बाद जब वह भारत वापस आया, तो उसे ब्रिटेन से डिपोर्ट कर दिया गया था। उसे नई दिल्ली एयरपोर्ट पर पकड़ लिया गया और फिर उससे पूछताछ की गई। उन्होंने कहा, 'मेरा नाम एफआईआर में नहीं था, लेकिन जब जांच हुई, तो एक बड़ा नाम होने के नाते मुझे इस मामले में घसीटा गया।

यूएस ओपन 2026: प्राइज मनी में भारी वृद्धि

नई दिल्ली, एजेंसी। ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में खिलाड़ियों द्वारा प्राइज मनी बढ़ाने की मांग लंबे समय से चल रही है। यूएस ओपन 2026 में खिलाड़ियों की ये मांग पूरी होने वाली है। यूएस ओपन में इस बार खिलाड़ियों के प्राइज मनी में इजाफा होने वाला है। यूएस ओपन की प्राइज मनी में 20 प्रतिशत की वृद्धि की गई है। खिलाड़ियों की कुल सैलरी बढ़कर 108 मिलियन डॉलर हो गई है। टूर्नामेंट से पहले, यूएसटीए (यूनाइटेड स्टेट्स टेनिस एसोसिएशन) ने एक बयान जारी कर इसकी घोषणा की। यूएसटीए के सीईओ क्रेग टिली ने कहा कि यह कदम खेल के आगे बढ़ने के लिए जरूरी हो सकता है। यह एथलीटों में कई सालों के निवेश में एक अहम पहला कदम है क्योंकि यूएस ओपन खिलाड़ियों के लिए सबसे अच्छा आर्थिक मौका और खिलाड़ियों, फैंस और पार्टनर्स के लिए टेनिस में सबसे कीमती प्लेटफॉर्म बना हुआ है। एकल विजेता को 52.65 करोड़ मिलेंगे। वहीं, एकल फाइनल में हारने वाले खिलाड़ी को करीब 26.80 करोड़ रुपये (2.8 मिलियन) दिए जाएंगे। क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाले खिलाड़ियों को लगभग 7.46 करोड़ रुपये (780,000) और सेमीफाइनल में जगह बनाने वाले प्लेयर्स को करीब 13.88 करोड़ रुपये (1.45 मिलियन) मिलेंगे। डबल्स मुकाबलों में पुरुष, महिला और मिक्स जीतने वाले प्लेयर्स को लगभग 9.57 करोड़ रुपये दिए जाएंगे, जिन्हें वे आपस में बाटेंगी। वहीं उपविजेता टीमों को करीब 5,00,000 मिलियन डॉलर दिए जाएंगे। इसके अलावा, व्हीलचेयर सिंगल्स के चैंपियन्स को लगभग 99 लाख रुपये (1,04,000) की इनामी राशि मिलेगी। पहले ही मैच में हारकर बाहर होने वाले खिलाड़ी को भी लगभग भारतीय रुपये में 1.34 करोड़ रुपये (140,000) मिलेंगे। यूएस ओपन रोमांचक होने वाला है। पिछले 4 महीने से पेशेवर टेनिस से दूर रहे पूर्व चैंपियन कार्लोस अल्काराज अपना खिताब बचाने के लिए उतरेंगे। अल्काराज ने अप्रैल के बाद से एक भी मैच नहीं खेला है। उन्हें बार्सिलोना ओपन के दौरान कलाई में चोट लग गई थी। चोट की वजह से वह फ्रेंच ओपन, विंबलडन और कई दूसरे टूर्नामेंट से भी बाहर रहे। यूएस ओपन 2026 की शुरुआत 23 अगस्त से होगी और 13 सितंबर को पुरुषों के फाइनल के साथ खत्म होगा।

डोपिंग को लेकर नाडा की बड़ी कार्रवाई, इस भारतीय भाला फेंक एथलीट पर लगाया 10 साल का प्रतिबंध

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) ने डोपिंग को लेकर कड़ी कार्रवाई की है। ओलंपियन भाला फेंक एथलीट शिवपाल सिंह पर दूसरे डोपिंग अपराध के लिए 10 साल का प्रतिबंध लगाया गया है। पूर्व एशियाई रजत पदक विजेता और ओलंपियन भाला फेंक खिलाड़ी शिवपाल सिंह पर दूसरे डोपिंग अपराध के लिए राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) के अनुशासनात्मक पैनल ने 10 साल का प्रतिबंध लगाया है। शिवपाल प्रतिबंधित पदार्थ मेथाएंडिएनोन के सेवन के लिए पॉजिटिव पाए गए थे। 31 साल की उम्र में यह प्रतिबंध उनके खेल करियर का अंत कर सकता है। शिवपाल ने टोक्यो ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व किया था।

पहले लगा था चार साल का प्रतिबंध

नाडा के डोपिंग रोधी अनुशासनात्मक पैनल ने अगस्त 2022 में उन्हें डोपिंग उल्लघंन का दोषी मानते हुए 2021 से चार साल का प्रतिबंध लगाया था। यह प्रतिबंध 2025 तक चलना था, लेकिन शिवपाल ने नाडा के अपील पैनल के सामने सफलतापूर्वक तर्क दिया कि उनकी डोप जांच में पॉजिटिव आने के पीछे दूषित सप्लीमेंट्स जिम्मेदार थे। जनवरी 2023 में अपील पैनल ने उनकी दलील स्वीकार करते हुए प्रतिबंध को चार साल से घटाकर सिर्फ एक साल कर दिया।

एशियाई चैंपियनशिप में जीता था रजत

शिवपाल के करियर की सबसे बड़ी उपलब्धि 2019 एशियाई चैंपियनशिप में रजत पदक जीतना है। दोहा में उन्होंने 86.23 मीटर का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए यह पदक हासिल किया था। हालिया मामलों में कार्रवाई का सामना करने वाले शिवपाल अकेले भारतीय एथलीट नहीं हैं। धाविका एमवी जिल्ना को भी दूसरे डोपिंग उल्लघंन के लिए अस्थायी रूप से निलंबित किया गया और वह मेफेंटरमाइन के लिए पॉजिटिव मिलीं। इससे पहले 2021 में शिवपाल का डोप नमूना प्रतियोगिता से बाहर की गई जांच में एक स्टेरॉयड के लिए पॉजिटिव आया था।

कट शॉट बना यशस्वी जायसवाल का 'दुश्मन', 27 गेंदों में 4 बार फंसे...कोलंबो टेस्ट से पहले की गंभीर तैयारी

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत और श्रीलंका के बीच दूसरा टेस्ट कोलंबो के एसएससी मैदान में 23 अगस्त (रविवार) से होना है. लेकिन इस मुकाबले से पहले यशस्वी जायसवाल अपनी एक खास कमजोरी पर जोरदार मेहनत कर रहे हैं. भारत और श्रीलंका के बीच दूसरा टेस्ट कोलंबो के सिंहलीज स्पोर्ट्स क्लब में खेला जाना है. मुकाबले से दो दिन पहले यशस्वी जायसवाल ने नेट्स में अपनी उस कमजोरी पर खास तौर पर काम किया, जो गॉल टेस्ट में फिर सामने आई थी. ऑफ स्टंप के बाहर तेज गेंदबाजों की गेंद पर कट शॉट खेलने की उनकी आदत इन दिनों परेशानी बनती दिख रही है. भारत के युवा ओपनर यशस्वी जायसवाल अब तक 30 टेस्ट मैच खेल चुके हैं और उन्होंने हर टेस्ट अलग-अलग मैदान पर खेला है. टेस्ट डेब्यू से लेकर अब तक उनका सफर कैरेबियाई देशों, साउथ अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया, भारत, इंग्लैंड और अब श्रीलंका तक पहुंच चुका है. सिर्फ तीन साल के टेस्ट करियर में ही जायसवाल भारतीय बल्लेबाजी की अहम कड़ी बन चुके हैं. सफेद गेंद क्रिकेट वाली उनकी आक्रामकता

नेट्स में शुरू हुआ सुधार का काम

जायसवाल के गलत शॉट खेलने का प्रतिशत भी बढ़ा है. पहले यह आंकड़ा 31.1 प्रतिशत था, जो अब बढ़कर 48.1 प्रतिशत तक पहुंच गया है. यही वजह रही कि शुक्रवार को कोलंबो के स्स्ट मैदान पर भारत के तेज गेंदबाजों ने नेट्स में उन्हें लगातार इस एरिया में परखने की कोशिश की.

कट शॉट बना परेशानी की वजह?

गॉल टेस्ट में श्रीलंका के तेज गेंदबाज फर्नांडो ने जायसवाल को ऑफ स्टंप के बाहर की लेंथ गेंद पर फंसाया. जायसवाल गेंद को कट करने के लिए गए, लेकिन किनारा लगा और गेंद विकेटकीपर डिकवाला के पास चली गई. आंकड़े बताते हैं कि तेज गेंदबाजों के खिलाफ कट शॉट खेलते हुए आउट होने का पैटर्न हाल के महीनों में बढ़ा है. पिछले साल अक्टूबर में भारतीय घरेलू टेस्ट सीजन शुरू होने के बाद से जायसवाल सिर्फ 27 गेंदों में तेज गेंदबाजों के खिलाफ कट शॉट खेलने के प्रयास में चार बार आउट हो चुके हैं. वहीं टेस्ट डेब्यू से लेकर पिछले साल इंग्लैंड दौरे तक, करीब दो साल के दौरान वह 190 गेंदों में सिर्फ चार बार इस शॉट पर आउट हुए थे. यानी हाल के समय में यह कमजोरी ज्यादा साफ होकर सामने आई है.

दूसरी चयन सूची में 10 और विद्यार्थियों का चयन, अब तक 95 छात्र-छात्राओं ने हासिल की सफलता

प्रयास प्रवेश परीक्षा में लक्ष्य शिक्षण संस्थान का डंका

बलरामपुर/शंकरगढ़ /मूक पत्रिका

दुर्गेश गुप्ता :- प्रयास आवासीय विद्यालय प्रवेश परीक्षा में लक्ष्य शिक्षण संस्थान ने एक बार फिर शानदार प्रदर्शन करते हुए अपनी सफलता का परचम लहराया है। प्रथम चयन सूची में संस्थान के 85 छात्र-छात्राओं के चयन के बाद अब द्वितीय चयन सूची में 10 और विद्यार्थियों ने सफलता हासिल की है। इसके साथ ही इस वर्ष लक्ष्य शिक्षण संस्थान के कुल 95 छात्र-छात्राओं का चयन प्रयास आवासीय विद्यालय के लिए हुआ है। द्वितीय चयन सूची में सफल विद्यार्थियों के सम्मान में लक्ष्य शिक्षण संस्थान द्वारा मेधावी विद्यार्थी सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सफल छात्र-छात्राओं और उनके अभिभावकों का पुष्पवर्षा कर भव्य स्वागत किया गया। संस्थान के संचालक सुदर्शन यादव ने अभिभावकों का माल्यार्पण कर सम्मान किया। वहीं सफल विद्यार्थियों को गोल्ड मेडल पहनाकर, मुंह मीठा कराते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी गईं। द्वितीय चयन सूची में रुपेश यादव, माइका कुजूर, रितु बुनकर, प्रतिभा मानिकपुरी, नवनीत बेक, आयुषी माथुर, रोहित कुमार पोर्ते, विराज कुजूर, देवेंद्र कुमार पैकरा और सूर्यकांत भगत ने सफलता हासिल की है।

कई बड़ी परीक्षाओं में भी शानदार परिणाम-लक्ष्य शिक्षण संस्थान के संचालक सुदर्शन यादव ने बताया कि संस्थान के विद्यार्थियों ने केवल प्रयास परीक्षा ही नहीं, बल्कि अन्य प्रतिष्ठित प्रवेश परीक्षाओं में भी शानदार प्रदर्शन किया है। इस वर्ष जवाहर नवोदय विद्यालय में 25, सैनिक स्कूल में 23, एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय में 115 तथा उत्कर्ष जवाहर नवोदय विद्यालय में 3 विद्यार्थियों ने सफलता हासिल की है। वहीं भारतीय सेना में निःशुल्क प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे 11 बच्चे पहले ही सफलता हासिल कर देश के विभिन्न राज्यों में अपनी सेवाएं दे रहे हैं।

अभिभावकों ने जताया संस्थान पर भरोसा-सम्मान समारोह में रोहित कुमार पोर्ते के अभिभावक ने बताया कि वे गौरेला-पेंड्रा-मरवाही से अपने बच्चे को लक्ष्य शिक्षण संस्थान में लेकर आए थे। बच्चा एक वर्ष पढ़ाई से दूर रहा था, लेकिन संस्थान पर भरोसा कर दाखिला कराया और आज उसके प्रयास परीक्षा में सफल होने पर पूरा परिवार खुश है। वहीं आयुषी माथुर के अभिभावक ताराचंद पाटले ने बताया कि उनकी बेटी ने पिछले वर्ष इसी संस्थान से पढ़ाई कर दुर्ग प्रयास आवासीय विद्यालय में प्रवेश प्राप्त किया और वर्तमान में दसवीं कक्षा में अध्ययनरत है। इस वर्ष उनकी भतीजी ने भी संस्थान से तैयारी कर सफलता हासिल की है। उन्होंने कहा कि बच्चों की क्षमता के अनुसार पढ़ाने की संस्थान की पद्धति और शिक्षकों की मेहनत सफलता का प्रमुख कारण है। संचालक सुदर्शन यादव ने कहा कि अभिभावकों और विद्यार्थियों ने जिस विश्वास के साथ संस्थान पर भरोसा जताया है, उस विश्वास को कायम रखना ही संस्था की प्राथमिकता है। उन्होंने सभी सफल विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि विद्यार्थियों की मेहनत, अभिभावकों के सहयोग और शिक्षकों के निरंतर प्रयास का परिणाम है। समारोह में प्रमोद बुनकर, हरदीप यादव, भीम मानिकपुरी, सरिता देवी, ताराचंद पाटले, दिनेश्वर बेक, भूपेंद्र सिंह, प्रदीप भगत सहित बड़ी संख्या में अभिभावक एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

सारंगढ़ के तेजस कोचिंग, आईटीआई और कालेजों में किया गया जनसंपर्क विभाग की पत्रिकाओं का वितरण

सारंगढ़ बिलाईगढ/मूक पत्रिका

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में संचालित राज्य शासन की जनकल्याणकारी और महत्वाकांक्षी योजनाओं के क्रियान्वयन एवं समुचित प्रचार- प्रसार हेतु छत्तीसगढ़ के युवाओं, महिलाओं और सभी नागरिकों के लिए जनसंपर्क विभाग के द्वारा विभिन्न पत्र पत्रिकाओं का प्रकाशन किया जा रहा है। जनसंपर्क संचालनालय छत्तीसगढ़ द्वारा प्रकाशित व जिला जनसंपर्क कार्यालय सारंगढ़ बिलाईगढ़ को उपलब्ध कराये गए इन पुस्तकों को सारंगढ़ के कोचिंग, आईटीआई और कॉलेजों में वितरण किया गया। सारंगढ़ में जिला प्रशासन के डीएमएफमद से संचालित तेजस कोचिंग, शासकीय लोचन प्रसाद पांडेय स्नातकोत्तर कॉलेज, शासकीय आईटीआई, कन्या कॉलेज, श्रीराम आदर्श कॉलेज और सीपीएम कॉलेज में जनसंपर्क विभाग द्वारा प्रकाशित पुस्तक मासिक पत्रिका 'छत्तीसगढ़ जनमन', सुशासन के नवीन आयाम, तब और अब, विकसित भारत के बढ़ते कदम, बिल्डिग टूमारों छ.ग. टूडे, अटल निर्माण वर्ष 2 साल (रिपोर्ट कार्ड), पाम्पलेट आदि का वितरण जनसंपर्क विभाग के सहायक सूचना अधिकारी देवराम यादव के द्वारा कराया गया।

लोलेसरा में ग्राम स्तरीय पौधारोपण, 30 पौधे रोपकर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

बेमेतरा/मूक पत्रिका

जिले के ग्राम लोलेसरा में श्री सद्गुरु धर्मदास वंशावली के तत्वावधान में ग्राम स्तरीय पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान प्रकृति संरक्षण एवं पर्यावरण संतुलन का संदेश देते हुए विभिन्न प्रजातियों के करीब 30 पौधे लगाए गए।पौधारोपण के दौरान आम, जामुन, आंवला, बादाम, नीम सहित विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपे गए। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के लिए अधिक से अधिक पौधारोपण करना और लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल करना आवश्यक है। ग्रामीणों से अपने गांव में अधिक से अधिक पौधे लगाने तथा उनकी सुरक्षा एवं देखभाल की जिम्मेदारी लेने का आह्वान किया गया। कार्यक्रम में चड्डष्ठ मिशन बेमेतरा तहसील एवं ग्रामीण प्रतिनिधियों के साथ आमीन माता महिला मंडल तथा ग्रामवासियों ने सहभागिता की। पौधारोपण कार्यक्रम में श्रीमती किरण वर्मा, शिवकुमारी, बबीता वर्मा, सुमिता वर्मा, आमीन बाई, बिमला वर्मा, गंगेश्वरी, बागमती, सुक्रीता वर्मा, चमेली वर्मा सहित अन्य महिला सदस्यों ने पौधे लगाए।वहीं ग्राम पंचायत प्रतिनिधि कुलेश्वर वर्मा (पंच), खम्मन वर्मा, ओमप्रकाश, पीकेश्वर वर्मा, शंकर वर्मा सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने कार्यक्रम में सहयोग किया। आयोजन के माध्यम से ग्रामीणों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करते हुए हरियाली बढ़ाने और आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ एवं संतुलित पर्यावरण तैयार करने का संदेश दिया गया।

महतारी वंदन योजना से गीता वैष्णव के जीवन में आई खुशियों की नई रोशनी, इस बार भाई के लिए अपने पैसों से लेंगी मिठाई

सफलता की कहानी : राखी की मिठास में घुला महतारी वंदन का संबल

बेमेतरा/मूक पत्रिका

रक्षाबंधन भाई-बहन के प्रेम, स्नेह और विश्वास का पर्व है। इस पावन अवसर पर बहन अपने भाई की कलाई पर राखी बांधकर उसके सुखी और स्वस्थ जीवन की कामना करती है, तो भाई भी बहन की खुशियों और सम्मान की रक्षा का संकल्प लेता है। बेमेतरा की गीता वैष्णव के लिए इस वर्ष का रक्षाबंधन कुछ और खास है। महतारी वंदन योजना से मिलने वाली नियमित आर्थिक सहायता ने उनकी खुशियों को एक नया सहारा दिया है। इस बार वे अपने भाई के लिए अपने पैसों से मिठाई खरीदेंगी, राखी बांधेंगी और पूरे उत्साह के साथ रक्षाबंधन का पर्व मनाएंगी। गीता वैष्णव बताती हैं कि महतारी वंदन योजना के माध्यम से मिलने वाली आर्थिक सहायता उनके परिवार के लिए उपयोगी साबित हो रही है। रोजमर्रा की जरूरतों में सहयोग मिलने के साथ ही उन्हें अपनी छोटी-छोटी इच्छाएं पूरी करने का आत्मविश्वास भी मिला है। पहले जिन छोटी खुशियों के लिए दूसरों पर निर्भर रहना पड़ता था, अब उन्हें अपनी जरूरत के अनुसार खर्च करने की स्वतंत्रता महसूस होती है। रक्षाबंधन की तैयारियों को लेकर गीता के चेहरे पर अलग ही उत्साह है।वे बताती हैं कि इस बार वे अपने भाई के लिए मिठाई खरीदेंगी। राखी के दिन भाई की कलाई पर राखी बांधेंगी और परिवार के साथ मिलकर मिठाई खिलाकर इस पर्व की खुशियां साझा करेंगी। उनके लिए यह सिर्फ मिठाई खरीदने की बात नहीं, बल्कि अपने हाथ में आई आर्थिक मजबूती और आत्मविश्वास की खुशी है। गीता वैष्णव भावुक होकर कहती हैं, ÷महतारी वंदन योजना से मुझे आर्थिक सहारा मिला है। इस बार राखी पर मैं अपने भाई के लिए अपने पैसों से मिठाई लूंगी और खुशी से रक्षाबंधन मनाऊंगी। यह मेरे लिए बहुत खुशी की बात है। महिलाओं के सम्मान और आर्थिक मजबूती के लिए ऐसी योजना चलाने पर मैं मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय 'विष्णु भैया' को हृदय से धन्यवाद देती हूं।÷ उनके शब्दों में सरकार की योजना से मिले आर्थिक संबल के साथ-साथ भाई-बहन के रिश्ते की मिठास और आत्मनिर्भरता का विश्वास भी झलकता है। गीता के लिए महतारी वंदन योजना केवल आर्थिक सहायता का माध्यम नहीं, बल्कि अपने परिवार की खुशियों में अपनी भागीदारी बढ़ाने का अवसर भी बनी है। रक्षाबंधन के इस अवसर पर गीता की कहानी उस भावना को साकार करती है-÷राखी का रिश्ता, भरोसे का साथ-विष्णु भैया संग विकास की बात।÷ महतारी वंदन योजना के माध्यम से महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों से प्रदेश की अनेक महिलाएं अपने परिवार की जरूरतों में सहयोग दे रही हैं। गीता वैष्णव की यह छोटी-सी खुशी भी इसी बड़े बदलाव की तस्वीर है।÷बहनों की खुशहाली का उपहार, विष्णु भैया की सरकार।÷

'सखी री सावन मन भायो' कार्यक्रम में संस्कृति, संस्कार और मातृशक्ति का मनोहारी संगम

चांपा। सरस्वती शिशु मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय चांपा में बालिका शिक्षा विभाग एवं कन्या भारती के तत्वावधान में 'सखी री सावन मन भायो' कार्यक्रम का आयोजन हर्षोल्लास एवं आत्मीय वातावरण में किया गया। इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि मंजुषा पाटले, समाजसेविका भारतीय हथकरघा प्रौद्योगिकी संस्थान की सदस्य एवं अधिवक्ता एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता हेमलता साहू, जिला संयोजिका, महिला प्रकोष्ठ साहू संघ ने की। अतिथियों द्वारा माँ सरस्वती की प्रतिमा के सक्षम दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। विद्यालय की वरिष्ठ दीदी मिनी देवांगन ने अतिथियों का तिलक एवं श्रीफल से स्वागत किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि मंजुषा पाटले ने अपने उद्बोधन में सावन माह की विशेषता बताते हुए कहा कि सावन हमारी भारतीय संस्कृति, परंपरा, श्रद्धा, उल्लास और पारिवारिक आत्मीयता का प्रतीक है। ऐसे आयोजन नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति और परंपराओं से जोड़ने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। उन्होंने परिवार में नारी की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि नारी परिवार की आधारशिला है। उसके स्नेह, संस्कार और सकारात्मक सोच से परिवार में प्रेम, अनुशासन एवं एकता का वातावरण निर्मित होता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहीं हेमलता साहू ने 'सखी री सावन मन भायो' कार्यक्रम के आयोजन की सार्थकता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सावन केवल उत्सव और उमंग का महीना नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति, परंपरा और पारिवारिक मूल्यों से जुड़ने का अवसर है। ऐसे आयोजन मातृशक्ति को एक मंच पर लाकर आपसी स्नेह, संवाद और सांस्कृतिक चेतना को मजबूत करते हैं। विद्यालय की दीदी सुशीला पटेल ने शिशु वाटिका के बारह आयामों, बालिका शिक्षा की दस परिषदों, स्वर्ण प्राशन के महत्व, माता के दायित्व एवं मोबाइल के दुष्परिणामों के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की। उन्होंने बच्चों के समग्र विकास के लिए संस्कारयुक्त वातावरण, उचित मार्गदर्शन और परिवार में सकारात्मक संवाद की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यक्रम में माताओं के लिए विभिन्न मनोरंजक खेल एवं नृत्य आयोजित किए गए, जिनमें माताओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। सावन के गीत, उमंग और उल्लास से वातावरण आनंदमय हो उठा। कार्यक्रम में मातृशक्ति की आपसी आत्मीयता और संवाद का सुंदर अवसर प्रदान किया।

चांपा नगर में सार्वजनिक अखंड श्रीराम नाम सप्ताह यज्ञ के 151वें वर्ष पर भव्य आयोजन

चांपा। नगर के हदय स्थल हटवारा चौक हनुमान चौक, कसेर पारा चांपा में आयोजित होने वाला सार्वजनिक अखंड श्रीराम नाम सप्ताह यज्ञ इस वर्ष अपने 151 वें वर्ष में प्रवेश कर एक कीर्तिमान स्थापित कर लिया हैं अखंड रामनाम यज्ञ सप्ताह 17 अगस्त से प्रारंभ होकर 25 अगस्त 2026 तक जारी हैं। इस आयोजन में चांपा नगर के अतिरिक्त छत्तीसगढ़, उड़ीसा, मध्यप्रदेश के मानस मंडलियों को आमंत्रित किया गया हैं ? कीर्तन मंडलियों के द्वारा संकीर्तन करते हुए आकर्षक झांकियां और करतब दिखाते हुए नृत्य आकर्षण का केंद्र बना हुआ हैं। इस परम पुण्य स्थान में श्रावण शुक्ल पक्ष पंचमी यानी कि नागपंचमी 17 अगस्त से रामनाम सप्ताह यज्ञ का प्रारंभ जगन्नाथ मठ बड़े मंदिर से गाजे-बाजे के साथ भगवान श्रीरामचन्द्र जी के विग्रह को नगर नियंत्रण देते हुए हटवारा चौक पहुंची। हनुमान चौक चौराहे पर चबूतरा नुमा पक्की पंडाल में भगवान को विराजित किया गया।

मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम भारतीय संस्कृति के पुण्य पुरुष हैं जो कि हर भारतीय व्यक्ति को गहराई तक प्रभावित करते हैं और पूरी आत्मीयता के साथ जन-जन के हृदय में रचे-बसे हैं। भगवान श्रीरामचन्द्र जी आज भी लोक मानस में रचा-बसा हुआ पतित पावन सीताराम हैं। यह नाम जीवन के क्रियाकलापों के साथ रहता हैं और अंत में राम नाम सत्य हैं के नाम उच्चारण से विदा किया जाता हैं। अखंड रामनाम समिति द्वारा राम नाम का गुणगान इसी उद्देश्य से किया जाता हैं। संभागार मंडप में भगवान श्रीरामचंद्र जी के बाल स्वरूप की प्रतिमा को बीचों-बीच स्थापित कर श्रद्धालु भक्त 07 दिनों तक बिना रुके और बिना थके परिक्रमा कर राम नाम का संकीर्तन कर रहे हैं। समिति द्वारा राम नाम गुणगान की महिमा को लेकर भक्तों में विशेष उत्साह और उमंग हैं ।गोस्वामी तुलसीदास जी ने भी राम चरितमानस में लिखा हैं। कलियुग केवल नाम अधारा, सुमिरि-सुमिरि नर उतरहिं पारा।

सप्त दिवसीय अखंड रामनाम कार्यक्रम में चांपा में नगर के सभी वार्डो के अतिरिक्त आस-पास गांव के श्रद्धालु भक्त पहुंचकर प्रभु श्रीराम के नाम स्मरण का सौभाग्य प्राप्त कर रहे हैं। श्रद्धालुओं की श्रद्धा और भक्ति को दृष्टिगत रखते हुए आयोजन समिति के द्वारा 21 अगस्त 2026 दिन शुक्रवार को सायंकाल 7:30 बजें से लेकर 8:30 बजें तक महाआरती एवं छप्पन भोग का वितरण हुआ। समिति ने बनारस गंगा आरती की तरह ही एक महाआरती का आयोजन चांपा सेवा संस्थान के पदाधिकारियों के मार्गदर्शन में किया।

रक्षाबंधन पर भाई के लिए लेंगी मिठाई, मुख्यमंत्री विष्णु भैया का जताया आभार

सफलता की कहानी : महतारी वंदन से शांति के घर आई खुशियों की मिठास

बेमेतरा/मूक पत्रिका

भाई-बहन के अटूट प्रेम और विश्वास का पर्व रक्षाबंधन इस बार ग्राम नवागांव, बेमेतरा की शांति के लिए खास खुशियां लेकर आया है। महतारी वंदन योजना से मिलने वाली आर्थिक सहायता ने शांति को अपने परिवार की जरूरतों में सहयोग करने के साथ-साथ अपनी छोटी-छोटी खुशियां अपने दम पर पूरी करने का संबल दिया है।

शांति बताती हैं कि महतारी वंदन योजना के तहत मिलने वाली राशि उनके लिए काफी उपयोगी है। इससे वे अपनी जरूरतों को पूरा करने के साथ परिवार की आवश्यकताओं में भी सहयोग कर पाती हैं। इस बार रक्षाबंधन के अवसर पर उनके मन में एक खास खुशी है। वे अपने भाई के लिए राखी के साथ मिठाई लेंगी और अपने हाथों से भाई को मिठाई खिलाकर रक्षाबंधन का पर्व मनाएंगी। शांति के लिए भाई को मिठाई खिलाने की यह छोटी-सी खुशी बेहद खास है। उनका कहना है कि अपने पैसों से भाई के लिए मिठाई खरीदना उनके लिए आत्मीयता और आत्मविश्वास से जुड़ा अनुभव है। महतारी वंदन योजना से मिलने वाली आर्थिक सहायता ने उन्हें यह महसूस कराया है कि वे भी अपने परिवार और रिश्तों की खुशियों में अपनी ओर से योगदान दे सकती हैं। शांति भावुक होकर कहती हैं, ÷महतारी वंदन योजना से मुझे बहुत सहारा मिला है। इस बार राखी पर मैं अपने भाई के लिए मिठाई लूंगी और खुशी से रक्षाबंधन मनाऊंगी। भाई-बहन का यह रिश्ता मेरे लिए बहुत खास है। महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के लिए ऐसी योजना शुरू करने पर मैं मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय 'विष्णु भैया' को हृदय से धन्यवाद देती हूं।÷वह आगे कहती हैं कि ÷राखी का रिश्ता, भरोसे का साथ-विष्णु भैया संग विकास की बात÷ आज उनके लिए सिर्फ एक पंक्ति नहीं, बल्कि उस भरोसे की भावना है जो उन्हें महतारी वंदन योजना के माध्यम से मिला है। रक्षाबंधन के इस पर्व पर शांति अपने भाई की कलाई पर प्रेम और विश्वास की राखी बांधेंगी और मिठाई खिलाकर इस रिश्ते की मिठास को और बढ़ाएंगी। उनके चेहरे की खुशी इस बात की गवाही देती है कि आर्थिक संबल से महिलाओं के जीवन में छोटी-छोटी खुशियां भी बड़े आत्मविश्वास में बदल सकती हैं।÷हर बहन के चेहरे पर मुस्कान, विष्णु भैया का यही अरमान।÷ ग्राम नवागांव की शांति की यह कहानी महतारी वंदन योजना से मिल रहे आर्थिक संबल और महिलाओं के बढ़ते आत्मविश्वास की एक भावुक तस्वीर है-जहां इस रक्षाबंधन पर एक बहन अपने भाई के लिए अपने पैसों से मिठाई लेकर खुशियों की मिठास बांटने जा रही है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आशिष कुमार कंठले द्वारा कलयुग का भारत द्वारा अग्रदूत कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, भाजपा कार्यालय के पास, रायपुर, जिला-रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित एवं वार्ड नंबर 18 बाजार पारा बेमेतरा पोस्ट व जिला बेमेतरा छ.ग. पिन कोड 491335 से प्रकाशित । संपादक आशिष कुमार कंठले समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार मो. नं. 7999238079, 7828658259, समस्त विवादों का निपटारा बेमेतरा न्यायालय होगा।